मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 26 मार्च 2026

संवत 2083, चैत्र शुक्ल 8 संवत मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 190 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ अमर है इंकलाबी कलमकार का प्रताप

वेब सीरीज 'सपने श्र एवरीवन' में नजर आएंगी खुशाली कुमार 6

दुष्कर्म के बाद नाबालिग की पत्थर से कूचकर हत्या

▸ मंगला जुलूस देखने गई थी किशोरी ▸ शव मिलने के बाद ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन ▸ पुलिस ने फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड बुलाया

विष्णुगढ़ (हजारीबाग): जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत कुसुंभा गांव में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है।

यहां एक 12 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी नृशंस हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह मैदान के एक गड्ढे में किशोरी का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाबालिग किशोरी मंगलवार रात गांव में निकले मंगला जुलूस को देखने के लिए घर से निकली थी। जब वह देर रात तक वापस नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

बुधवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के ही मैदान में स्थित एक गड्ढे में उसका रक्तरंजित शव देखा। इसके बाद गांव वाले आक्रोशित हो उठे। बता दें कि होली के बाद से रामनवमी तक हर मंगलवार को देर शाम तक मंगला जुलूस निकलता है।

पहचान छिपाने के लिए चेहरे को पत्थर से कूचाः शव की स्थिति देखकर दरिंदगी का अंदाजा लगाया जा सकता है। आशंका जताई जा रही है कि कोई परिचित ही उसे बहला-फुसलाकर जुलूस से सुनसान जगह ले गया।

वारदात को अंजाम देने के बाद, अपनी पहचान छिपाने की नीयत से आरोपी ने पत्थर से कूचकर किशोरी का चेहरा क्षत-विक्षत कर दिया और उसकी हत्या कर दी। पुलिस छावनी में तब्दील हुआ इलाका, फॉरेंसिक जांच शुरूः घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद, बीडीओ अखिलेश कुमार, सीओ नित्यानंद दास और थाना प्रभारी सपन कुमार महथा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट और खून के नमूने एकत्र किए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है।

ग्रामीणों ने किया पुलिस का घेरावः हत्याकांड से आक्रोशित ग्रामीणों ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस अधिकारियों का लगभग एक घंटे तक घेराव किया। मौके पर मौजूद अधिकारियों द्वारा जल्द से जल्द अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने के ठोस आश्वासन के बाद ही ग्रामीण शांत हुए।

स्थानीय विधायक, मुखिया और अन्य जनप्रतिनिधियों ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे समाज के माथे पर कलंक बताया है।

कोडरमा : जंगली हाथियों का आतंक, दो लोगों को कुचलकर मार डाला

कोडरमाः जिले में जंगली हाथियों का आतंक बढ़ने लगा है। बुधवार रात हाथी ने एक महिला और एक पुरुष को कुचल कर मार डाला । जानकारी के मुताबिक रात 8:00 बजे हाथी मरियमपुर के पास देखा गया था। जहां पहले उसने एक महिला को कुचल दिया। इसके बाद लोगों द्वारा वहां से भगाने के क्रम में बोनाकाली महिला कॉलेज के पास हाथी ने 40 वर्षीय बालेश्वर सोरेन, पिता छोटका सोरेन को भी कुचलकर जान ले ली।

कोडरमा नगर पंचायत क्षेत्र के बोनाकाली और मरियमपुर में हाथी के दस्तक देने से लोग दहशत में है। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन हाथियों को ज्यादा दूर खदेड़ने में नाकाम रही। स्थानीय लोगों के मुताबिक अभी भी एक हाथी मरियमपुर से सटे जंगलों में छिपा हुआ है। वहीं दूसरी तरफ हाथियों का एक झुंड भी बागीटांड से सटे कोडरमा घाटी के जंगलों में देखे जाने की सूचना है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि वन विभाग की टीम के पास हाथियों को खदेड़ने के लिए कोई पर्याप्त इंतजाम भी नहीं है। सूचना मिलने के बाद टीम जरूर पहुंची, लेकिन एक टॉर्च के सहारे हाथियों को खदेड़ने का प्रयास किया जाता रहा जो नाकाम साबित हुआ। हाथी अभी भी पास के जंगल मे छिपा है और कभी भी आतंक मचा सकता है।

वन विभाग के रेंजर राम बाबू ने बताया कि जंगली हाथियों को खदेड़ने का प्रयास किया जा रहा हैं। टीम हाथियों को लॉकेट करने में लगी हैं। उन्होंने कहा कि मृतक को 4 लाख मुआवजा देने का प्रावधान हैं। फिलहाल मृतक के परिजनों को 25 हजार रुपये का मुआवजा दिया गया है।

रसोई गैस संकट के बीच केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

पीएनजी कनेक्शन है तो एलपीजी सिलेंडर नहीं

संवाददाता

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने रसोई गैस को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक नया निर्देश जारी किया है जिसके अनुसार जिन इलाकों में पाइप्ड नैचुरल गैस यानी पीएनजी की सुविधा उपलब्ध है, वहां अगर लोग एलपीजी सिलेंडर से पीएनजी पर शिफ्ट नहीं करते हैं, तो उनकी एलपीजी सप्लाई बंद की जा सकती है। सरकार का कहना है कि यह कदम देश में गैस नेटवर्क को तेजी से बढ़ाने और एक ही ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए उठाया गया है।पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण एलपीजी सप्लाई पर असर पड़ा है, जिससे देश में इसकी कमी देखने को मिल रही है।

ऐसे में सरकार अब लोगों को पीएनजी अपनाने के लिए कह रही है, जो पाइप के जरिए सीधे घर तक लगातार मिलती है और सिलेंडर बुक करने की झंझट भी खत्म कर देती है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी नए नियम के मुताबिक, अगर किसी घर में पीएनजी उपलब्ध होने के बावजूद तीन महीने के भीतर कनेक्शन नहीं लिया जाता है, तो एलपीजी सप्लाई बंद की जा सकती है। सरकार का असली उद्देश्य क्या है?सरकार के इस फैसले के पीछे मुख्य उद्देश्य गैस सप्लाई सिस्टम को ज्यादा संतुलित और मजबूत बनाना है। जिन इलाकों में पीएनजी की सुविधा पहले से उपलब्ध है, वहां एलपीजी के उपयोग को कम करके उस गैस को उन क्षेत्रों तक पहुंचाना है जहां अभी पाइपलाइन नेटवर्क नहीं है।

साहिबगंज कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, छावनी में तब्दील हुआ परिसर

साहिबगंजः साहिबगंज स्थित व्यवहार न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धमकी भरी ईमेल मिलते ही प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गईं। कोर्ट परिसर में मौजूद जज, अधिवक्ता और कर्मचारियों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

छावनी में तब्दील हुआ कोर्ट परिसरः सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक, एसडीपीओ, डीएसपी, सर्किल इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। देखते ही देखते पूरा कोर्ट परिसर छावनी में तब्दील हो गया। सुरक्षा के कड़े इंतजाम करते हुए हर 5 फीट की दूरी पर जवानों की तैनाती की गई।

बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की सघन जांचः घटना की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीमों को तुरंत मौके पर बुलाया गया। टीमों ने आधुनिक उपकरणों की मदद से कोर्ट परिसर के हर कोने की बारीकी से जांच की। संदिग्ध वस्तुओं की तलाश के लिए घंटों तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। हालांकि प्रारंभिक जांच में किसी विस्फोटक की पुष्टि नहीं हुई है।

प्रवेश पर सख्ती, हर व्यक्ति की जांचः एहतियात के तौर पर कोर्ट परिसर में प्रवेश पूरी तरह नियंत्रित कर दिया गया। आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सघन जांच की गई। सुरक्षा एजेंसियों ने आसपास के इलाकों में भी गश्त बढ़ा दी है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

उपायुक्त और अधिकारियों ने संभाली कमानः घटना की जानकारी मिलते ही उपायुक्त हेमंत सती मौके पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को हर स्तर पर सतर्क रहने का निर्देश दिया। प्रशासन का कहना है कि किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लिया जाएगा और पूरी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

तकनीकी जांच में जुटी एजेंसियांः धमकी भरी ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए तकनीकी टीमों को लगाया गया है। साइबर विशेषज्ञ इस बात की जांच कर रहे हैं कि मेल कहां से भेजी गई और इसके पीछे कौन लोग शामिल हो सकते हैं। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है ताकि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

क्या कहते हैं पुलिस अधीक्षक : पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और स्क्वॉड टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया और सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी प्रकार की हताहत की सूचना नहीं है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

उपायुक्त ने दी शांति बनाए रखने की अपीलः उपायुक्त हेमंत सती ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और हर पहलू की जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर दिया गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

इलाके में बढ़ी चौकसीः घटना के बाद पूरे साहिबगंज और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। पुलिस लगातार गश्त कर रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। हालांकि अब तक किसी विस्फोटक के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और स्थिति को सामान्य बनाए रखने की कोशिश जारी है।

बड़ा सड़क हादसा : अनियंत्रित होकर बस नदी में गिरी, 23 की मौत, कई लापता

ढाका : बांग्लादेश में भीषण सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें लगभग 23 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, गोवालैंड उपजिला, राजबारी के दौलतदिया फेरी टर्मिनल पर एक पैसेंजर बस के पोंटून से पद्मा नदी में गिर गई। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, यह हादसा बुधवार शाम करीब 5:15 बजे हुआ। बस कुश्तिया के कुमारखाली से ढाका जा रही थी, तभी नदी पार करने के लिए इंतजार करते समय बस अनियंत्रित होकर पानी में गिर गई।

गवाहों ने बताया कि बस में कम से कम 50 यात्री सवार थे, जो रास्ते में अलग-अलग काउंटर से यात्रियों को उठा रहे थे। ढाका ट्रिब्यून ने बताया कि रेस्क्यू शिप हमजा ने छह घंटे बाद नदी में डूबी बस को निकाला। पहले जानकारी सामने आई थी कि लगभग 35 लोग लापता हैं। फरीदपुर फायर सर्विस कमांडर मोहम्मद बेलाल उद्दीन ने कहा, हमें पता चला है कि कम से कम 35 लोग लापता हैं। बचाव अभियान चल रहा है। रात करीब 11:15 बजे गाड़ी का कुछ हिस्सा दिखाई देने के बाद 11:30 बजे तक जहाज की क्रेन का इस्तेमाल करके पूरी बस को उठा लिया गया। फायर सर्विस ने बताया कि बुधवार देर रात बस के अंदर से 16 शव बरामद किए गए, जिनमें दो बच्चे, 10 महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। इससे पहले, राजबाड़ी जिला प्रशासन के अधिकारियों ने 14 शवों की पुष्टि की थी। पहले रेस्क्यू किए गए दो और यात्रियों को गोवालैंड उपजिला हेल्थ कॉम्प्लेक्स में मृत घोषित कर दिया गया, जिससे मरने वालों की कुल संख्या 18 हो गई। अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं, जबकि बचाव दल लापता यात्रियों की तलाश के लिए मौके पर मौजूद हैं। शोहारदो परिवहन के काउंटर मास्टर तन्मय अहमद ने बताया कि बस कुश्तिया के कुमारखाली से दोपहर करीब 2:30 बजे आठ पैसेंजर के साथ निकली थी। उन्होंने कहा, रास्ते में खोकसा में सात, मचपारा में चार और पंग्शा में पंद्रह और लोग चढ़े। उनके मुताबिक, 40-सीटर बस में ड्राइवर और हेल्पर समेत कुल 50 पैसेंजर थे। ढाका ट्रिब्यून ने फायर सर्विस अधिकारियों के हवाले से बताया कि कम से कम दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

श्रीनगर और शोपियां समेत कई जगहों पर मारा छापा

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग ने कश्मीर में कई जगहों पर छापे मारे हैं। ये छापे श्रीनगर, शोपियां और गांदरबल में मारे गए। यह मामला हाल ही में सीआईके पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए एक नए आतंकी जांच केस से जुड़ा है। काउंटर इंटेलिजेंस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस को इसकी पुष्टि की है। पिछले हफ्ते भी बड़ी कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग ने एक हाई-टेक अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ किया और सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया। सीआईके के एक बयान में कहा गया कि एक बड़ी सफलता के तौर पर, काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर ने एक बेहद हाई-टेक अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का पदार्फाश किया और श्रीनगर में संदिग्धों को गिरफ्तार किया। बयान में कहा गया, सीआईके-सीआईडी को ऐसे गुप्त कॉल सेंटरों के काम करने के बारे में कई तकनीकी और विश्वसनीय इनपुट मिले थे, जो विदेशी और स्थानीय नागरिकों को निशाना बनाकर धोखाधड़ी वाली ऑनलाइन गतिविधियों में शामिल थे।

ईरान ने अमेरिका, इजरायल से की हिज्बुल्लाह के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने की मांग

वॉशिंगटनः ईरान ने अमेरिका, इजरायल से एक संभावित शांति समझौते के तहत लेबनान स्थित शिया संगठन हिज्बुल्लाह के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, ईरान ने मार्च के मध्य में यह रुख जाहिर किया था। सूत्र ने बताया कि हिज्बुल्लाह को ईरान से यह आश्वासन मिला है कि लेबनान में संघर्ष-विराम इस समझौते का एक हिस्सा होगा। ईरान के एक उच्च-पदस्थ सूत्र ने बताया कि तेहरान लगभग एक महीने से अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। इस सप्ताह की शुरूआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच सप्ताहांत में बहुत ही सकारात्मक और सार्थक बातचीत हुई और उन्होंने ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर पांच दिनों के लिए हमले रोक दिए। ईरान के विदेश मंत्रालय ने दोनों पक्षों के बीच सीधी बातचीत होने की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि उसे केवल ऐसे संदेश प्राप्त हुए हैं जिनमें अमेरिका ने बातचीत करने की इच्छा जाहिर की है।

मिसाइलों के बीच भारत को राहत की गारंटी

ईरान ने खोला होर्मुज,अब नहीं बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

लखनऊः ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच जारी तनाव के 27वें दिन एक राहत भरी खबर सामने आई है। ईरान ने भारत सहित अपने कुछ मित्र देशों के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब इस अहम समुद्री मार्ग पर अनिश्चितता के कारण वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आधिकारिक बयान में कहा कि चीन, रूस, भारत, इराक और पाकिस्तान के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित मार्ग दिया जाएगा। मुंबई स्थित ईरान के महावाणिज्य दूतावास ने भी सोशल मीडिया के जरिए इसकी पुष्टि की है। पोस्ट में कहा गया, हमने अपने मित्र देशों के जहाजों के लिए होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित आवाजाही की अनुमति दे दी है।

यूएन महासचिव की अपील के बाद फैसलाः यह निर्णय संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की अपील के बाद लिया गया है। गुटेरेस ने चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज स्ट्रेट लंबे समय तक बंद रहता है, तो तेल, गैस और उर्वरकों की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित होगी।

उन्होंने खासतौर पर कहा कि खेती-बुवाई के इस मौसम में इसका असर आम लोगों और वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर पड़ सकता है। साथ ही उन्होंने युद्ध को जल्द खत्म करने की अपील भी की।

किन देशों को नहीं मिलेगी अनुमति : ईरान ने साफ कर दिया है कि अमेरिका, इजरायल और उन खाड़ी देशों के जहाजों को इस मार्ग से गुजरने की इजाजत नहीं होगी, जो इस संघर्ष में शामिल हैं। अराघची ने कहा, हम युद्ध की स्थिति में हैं। दुश्मन और उनके सहयोगी जहाजों को अनुमति देने का कोई कारण नहीं है, लेकिन अन्य देशों के लिए रास्ता खुला रहेगा।

भारत के लिए क्यों अहम है यह फैसलाः होर्मुज स्ट्रेट से दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल का निर्यात होता है, और भारत अपनी बड़ी ऊर्जा जरूरतें खाड़ी देशों से पूरी करता है। ऐसे में इस मार्ग का आंशिक रूप से खुलना भारत के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इससे पेट्रोल-डीजल और उर्वरकों की सप्लाई पर दबाव कम होगा और कीमतों में संभावित बढ़ोतरी को रोका जा सकेगा।

समन्वय के साथ ही मिलेगी एंट्रीः ईरान ने यह भी स्पष्ट किया है कि गैर-दुश्मन देशों के जहाजों को गुजरने से पहले ईरानी अधिकारियों से समन्वय करना होगा। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि वे ईरान के खिलाफ किसी गतिविधि में शामिल नहीं हैं।

ट्रंप के शांति प्रस्ताव पर सस्पेंसः इस घटनाक्रम के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 15 सूत्रीय शांति योजना पर भी नजर बनी हुई है। हालांकि, ईरान ने फिलहाल सख्त रुख अपनाते हुए पाकिस्तान की मध्यस्थता को खारिज कर दिया है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्रंप से बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित बनाए रखने पर जोर दिया था।

वैश्विक बाजार के लिए राहत, लेकिन खतरा बरकरारः होर्मुज स्ट्रेट के आंशिक रूप से खुलने से वैश्विक तेल बाजार को फिलहाल राहत मिली है, लेकिन क्षेत्र में तनाव अभी भी बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थिति पूरी तरह सामान्य होने में अभी समय लग सकता है।

सीआईपीईटी रांची में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

रांची: स्थानीय युवाओं के कौशल विकास और रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सीसीएल ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेकनोलॉजी (सीआईपीईटी)रांची के सहयोग से संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। इस अवसर पर आज प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 5वें बैच के प्रशिक्षण के सफल समापन की औपचारिक घोषणा की गई।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सीसीएल और सीआईपीईटी के बीच हुए समझौता ज्ञापन के तहत संचालित किया गया, जिसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं को उद्योगोन्मुख कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 180 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाना था। इससे पूर्व 4 बैच सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुके थे तथा आज 5वें बैच के प्रशिक्षण के समापन के साथ ही पूरा प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। चार माह की इस निःशुल्क प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत 35 प्रशिक्षुओं को मशीन ऑपरेटर - इंजेक्शन मोल्डिंग (एमओ- आईएम) ट्रेड में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। उल्लेखनीय है कि इस बैच के 31 प्रशिक्षुओं को विभिन्न प्रतिष्ठित प्लास्टिक निर्माण कंपनियों में प्लेसमेंट के अवसर भी प्रदान किए जा चुके हैं, जो इस पहल की सफलता और उपयोगिता को दशार्ता है। कार्यक्रम में सीसीएल और सीआईपीईटी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक(मानव संसाधन), सीसीएल उपस्थित थे। उनके साथ एसएस लाल, महाप्रबंधक (सीएसआर/एसडी) तथा श्वेता, प्रबंधक (सीएसआर/एसडी), सीसीएल भी उपस्थित थीं। सीआईपीईटी, रांची की ओर से अवनीत कुमार जोशी, मोहम्मद मासूम हैदर, शाह नवाज अहमद सहित संस्थान के शिक्षक एवं प्रशिक्षु कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आधुनिक औद्योगिक तकनीकों जैसे प्लास्टिक प्रोसेसिंग और इंजेक्शन मोल्डिंग से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे वे उद्योग के अनुरूप कुशल एवं रोजगार के लिए तैयार पेशेवर बन सकें।

हमारी जीत पक्की, बंगाल में बनेगा डबल इंजन की सरकार: रोहिदास महतो

सिल्ली / झालदा: पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले की बागमुंडी विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के घोषित उम्मीदवार रोहिदास महतो ने भानुमति लॉज तुलिन में पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा ममता सरकार के कथित शोषणकारी शासन को समाप्त कर एक पारदर्शी सरकार बनाना का हमारा लक्ष्य है। कार्यकर्त्ता पार्टी का जो घोषणा पत्र में कल्याणकारी योजनाएं है उसको जन जन तक पहुंचाने में जुट जाये। श्री महतो ने आगे कहा भाजपा माटी की पार्टी है इसका उदय बंगाल में ही हुआ था। इसलिए हमारा टक्कर में कोई नही है। पार्टी ने हम पर भरोसा जताया है और हम जीत रहे है केवल औपचारिकता बाकी है। थोड़ा इंतजार करें पश्चिम बंगाल में डबल इंजन का सरकार बनने जा रहा है। मौके पर पुरुलिया जिला सभापति शंकर महतो, रांची जिला के महामंत्री उमेश महतो मंडल, सभापति संजय सिंह देव जिला किसान मोर्चा सभापति जगदीश कुम्हार पूर्व सभापति सह जिला कमेटी सदस्य लखिन्द्र महतो समेत कई गन्यमान्य कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

सरहुल शोभायात्रा यात्रा की समीक्षा बैठक

मुरी : सरना भवन खपचाबेडा में सरहुल शोभा यात्रा की समीक्षा बैठक की गई। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष भरत सिंह मुंडा के अगुवाई में हुआ। जिसमें आय व्ययों का हिसाब किताब प्रस्तुत किया गया। जिसमें समिति के संरक्षक बासुदेव सिंह मुंडा, उपाध्यक्ष हरि मुंडा, सचिव गोंदरा उरांव,महासचिव मोती लाल बेदिया, कोषाध्यक्ष दुर्गा चरण मांझी, बिक्रम सिंह मुंडा, सदस्य भवानी मुंडा, मगरा पातर, रधुनाथ मांझी उपस्थित थे।

तीन दिवसीय हरिनाम संकीर्तन का समापन

मुरी: तीन दिन से चली आ रही हरिनाम संकीर्तन का समापन हो गया। हरि बोल हरि बोल के उच्चारण से तीन दिन कुतरू और आसपास क्षेत्र गुंजयमान रहा। संकीर्तन में नीलकंठ दास, गोपाल दास, सुन्दर दास, रास बिहारी दास ,सुभाष दास के ग्रुप ने झाल और ढोल के साथ भजन के गीत के साथ नृत्य करते हुए मंदिर की प्ररिक्रमा करते रहे। जो काफी मनमोहक रहता है। इसे सफल बनाने में कनिलाल साहु, ज्योति प्रसाद, हरिलाल साहु, मुकेश साहु, बर्दी लाल मांझी, सुख राम मांझी व अन्य की सराहनीय भूमिका रही।

खूंटी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

40 लाख की अफीम और डोडा के साथ 4 गिरफ्तार, एक एकड़ फसल नष्ट

संवाददाता

खूंटी: जिले में अवैध अफीम की खेती और तस्करी के खिलाफ लगातार चल रहे अभियान के बावजूद यह कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालांकि, पुलिस भी लगातार ऐसे मामलों पर कार्रवाई करते हुए अफीम की खेती को नष्ट करने और तस्करों को पकड़ने में जुटी हुई है। इसी क्रम में खूंटी जिला के जरियागढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने करीब 40 लाख रुपये मूल्य की अफीम और डोडा बरामद करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। बरामद सामान में 39 किलो 790 ग्राम डोडा और 6 किलो 320 ग्राम अफीम शामिल है।

पुलिस के अनुसार, 24 मार्च 2026 को जरियागढ़ थाना प्रभारी को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के ग्राम गारी निवासी संतोष आईन्द और जीवन जशमन आईन्द अवैध अफीम की खेती कर उसके डोडा और अफीम को बेचने के उद्देश्य से अपने-अपने घरों में छिपाकर रखे हुए हैं। सूचना मिलते ही मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तोरपा को सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। इसके बाद एसडीपीओ तोरपा, पुलिस निरीक्षक तोरपा और जरियागढ़ थाना प्रभारी की अगुवाई में टीम ने विधिवत छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने संतोष आईन्द के घर से दो बोरे में छिपाकर रखा गया कुल 39 किलो 780 ग्राम डोडा बरामद किया। पुलिस के अनुसार, इसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपये है। इसके बाद संतोष आईन्द की निशानदेही पर पुलिस ने जीवन जशमन आईन्द उर्फ लेबरे के घर पर भी तलाशी ली। जीवन जशमन आईन्द के घर की तलाशी के दौरान पुलिस को एक प्लास्टिक की बाल्टी में छिपाकर रखा गया 6 किलो 320 ग्राम अफीम जैसा पदार्थ मिला। पुलिस ने इसे बाल्टी सहित जब्त कर लिया। बताया जा रहा है कि बरामद अफीम की अनुमानित कीमत लगभग 36 लाख रुपये के आसपास है। पुलिस ने बरामद सभी सामानों को विधिवत जब्ती सूची बनाकर जब्त कर लिया है। साथ ही अवैध अफीम की खेती करने और उसे बेचने के लिए छिपाकर रखने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया हैः जिसमें 22 वर्षीय संतोष आईन्द पिता झ्र असफ आईन्द गारी, गिरजा टोली, थाना- जरियागढ़, जिला - खूंटी

53 वर्षीय जीवन जशमन आईन्द उर्फ लेबरे, पिता - स्व. पितय आईन्द, गारी, गिरजा टोली, थाना - जरियागढ़, जिला - खूंटी

25 वर्षीय महादेव टुटी उर्फ मनीष, पिता - सुकरा टुटी, राई, बड़का टोली, थाना- खूंटी, जिला- खूंटी

50 वर्षीय जाठा संगा उर्फ सुकरा संगा, पिता - स्व. जगरु संगा, राई, बड़का टोली, थाना - खूंटी, जिला - खूंटी का निवासी है। पुलिस ने बताया कि महादेव टुटी की निशानदेही पर इस मामले में संलिप्त एक अन्य आरोपी जाठा संगा को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने करीब एक एकड़ खेत में लगी अफीम की फलयुक्त फसल को भी नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई जिले में चल रहे विनष्टीकरण अभियान के तहत की गई।

अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलटा ट्रेक्टर

बिहार के शेरघाटी थाना क्षेत्र से कौलेश्वरी जा रहे 22 श्रद्धालु घायल

एक ही परिवार के सदस्य हुए लहूलुहान ,दो महिला और दो बच्चियों की हालत नाजुक

संवाददाता

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र से बुधवार की शाम एक हृदय विदारक सड़क हादसे की खबर सामने आई।हंटरगंज थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव के समीप श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा पलटी। इस भीषण दुर्घटना में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत कुल 22 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे ने एक बार फिर ट्रैक्टर-ट्रॉली पर असुरक्षित सफर और 'श्रद्धा' के नाम पर जान जोखिम में डालने वाली लापरवाही को उजागर कर दिया है। हादसा थाना क्षेत्र के जजलो बाजार से कुछ दूरी पर स्थित सोनबरसा गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, बिहार के गया जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र अंतर्गत उचिरमा गांव निवासी पाचू मांझी का पूरा परिवार और उनके ग्रामीण एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर चतरा जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कौलेश्वरी मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर की गति काफी तेज थी। जैसे ही वाहन सोनबरसा के पास पहुँचा, चालक ने नियंत्रण खो दिया और पूरी ट्रॉली सड़क किनारे एक गड्ढे में पलट गई। ट्रॉली के नीचे दबने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में घायल होने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। सभी घायलों को तुरंत हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया गया, जहाँ से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए बिहार के गयाजी स्थित मगध मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। जानकारों के मुताबिक, करीब आधा दर्जन लोगों की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है, जिनमें दो महिलाएं और दो बच्चियों की हालत सबसे ज्यादा चिंताजनक है। चार घायलों का उपचार जजलो के एक निजी स्वास्थ्य केंद्र में भी चल रहा है। हादसे में घायल होने वाले सभी लोग गयाजी जिले के शेरघाटी के रहने वाले हैं, जिनमें मुख्य रूप से रंजन कुमार, राहुल कुमार, राकेश कुमार, प्रीति कुमारी, पूनम कुमारी, नितेश कुमार, मनोज मांझी, पायल कुमारी, रामदही मांझी, सैउनी देवी, सुरमिया देवी, मुन्नी देवी, सन्नी देवी, मिथलेश मंडल, मिथलेश मांझी, मैनी देवी, राधिका कुमारी और बेमतीया देवी शामिल हैं। लगातार हो रहे इन हादसों को देखते हुए हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कड़ी अपील करते हुए कहा कि धार्मिक यात्राओं के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली या किसी भी खुले वाहन का उपयोग न करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि ट्रॉली माल ढोने के लिए है, इंसानों के सफर के लिए नहीं। पुलिस ने श्रद्धालुओं से सुरक्षित वाहनों का ही इस्तेमाल करने का आग्रह किया है ताकि किसी का हंसता-खेलता परिवार उजड़ने से बच सके।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर सख्त कार्रवाई के संकेत ,भ्रष्टाचार की जांच तेज

कई लोगों पर लटक सकती है गिरफ्तारी की तलवार

चंद्रेश शर्मा/प्रवीण सिंह

चतराः जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। लंबे समय से विवादों और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे सिविल सर्जन जगदीश प्रसाद का आखिरकार तबादला कर दिया गया। यह कार्रवाई तब तेज हुई जब क्षेत्रीय विधायक जनार्दन पासवान ने लगातार शिकायतें उठाईं और मामले में हस्तक्षेप किया।सूत्र बताते हैं कि सिविल सर्जन जगदीश प्रसाद के कार्यकाल के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में भारी अनियमितताओं के आरोप लगे। इनमें निजी नर्सिंग होम और अस्पतालों से मिलीभगत, सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग और मरीजों को सरकारी अस्पतालों की बजाय निजी संस्थानों की ओर मोड़ने का दबाव शामिल है। इससे आम लोगों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा।स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि उनके कार्यकाल में जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई थी। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी, डॉक्टरों की अनुपस्थिति और अव्यवस्था आम बात बन गई थी। लगातार शिकायतों के बावजूद लंबे समय तक कार्रवाई नहीं होना प्रशासनिक कार्यशैली पर भी सवाल खड़े करता है।बताया जाता है कि पूर्व में भी विवादों के चलते उनका तबादला किया गया था, लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण उनकी वापसी हो गई थी। वापसी के बाद हालात सुधरने की बजाय और बिगड़ते गए, जिससे जनाक्रोश बढ़ता गया।अब सरकार की ओर से किए गए इस तबादले को एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई माना जा रहा है। साथ ही पूरे मामले की जांच तेज कर दी गई है। यदि आरोपों की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारियों और इसमें संलिप्त निजी संस्थानों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कई चर्चित चेहरों पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है और जेल जाना भी तय माना जा रहा है।

इस मामले में एक अहम पहलू यह भी सामने आया है कि यदि बिना प्रशासनिक स्वीकृति के किसी बिल का भुगतान हुआ है, तो उसमें शामिल लेने और देने वाले दोनों पक्षों को दोषी माना जाएगा। ऐसे मामलों की भी गहन जांच की जा रही है। इधर, नए सिविल सर्जन डॉ. सत्येंद्र कुमार सिन्हा को चतरा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ जिले की बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए ठोस कदम उठाएंगे। चतरा में यह घटनाक्रम सिर्फ एक तबादला नहीं, बल्कि स्वास्थ्य विभाग में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़ा संकेत है। अब सबकी निगाहें जांच के नतीजों और दोषियों पर होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।इस लुट कांड में संलिप्त कुछ संस्थानो के लुटेरों को भी जेल जाना तय है अगर बिना प्रशासनिक स्वीकृति का कोई बिल का भुगतान होता है तो लेने और देने वाले दोनों दोषी होंगे।

डीएलसीसी/डीएलआरसी एवं स्पेशल डीएलसीसी की संयुक्त बैठक संपन्न

संवाददाता

- बैंकों की कार्यप्रणाली व योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा
- वित्तीय समावेशन पर दिया गया जोर

चतराः विकास भवन स्थित सभा कक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी), जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) एवं स्पेशल डीएलसीसी की संयुक्त बैठक उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। यह बैठक उपायुक्त कीर्तिश्री के निर्देशानुसार संपन्न हुई, जिसमें जिले में संचालित विभिन्न बैंकिंग योजनाओं एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान सीडी रेशियो, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूह ऋण, वार्षिक ऋण योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर गहन चर्चा हुई। उप विकास आयुक्त ने कहा कि वित्तीय समावेशन सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बैंक शाखाओं एवं बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट (बीसी)एजेंटों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने विशेष रूप से केसीसी योजना के तहत कुछ बैंकों की शून्य प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र लक्ष्य प्राप्ति हेतु ठोस कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। साथ ही एसीपी के अंतर्गत प्राथमिकता क्षेत्रों में ऋण वितरण की स्थिति एवं उसमें आ रही बाधाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए।बैठक में यह भी बताया गया कि जिले का क्रेडिट-डिपॉजिट रेशियो वर्तमान में 33.12 प्रतिशत है, जो निर्धारित 40 प्रतिशत से कम है। इस पर उप विकास आयुक्त ने बैंक अधिकारियों को प्राथमिकता क्षेत्र में ऋण वितरण बढ़ाने, ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने तथा वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।बैठक में आरबीआई के प्रतिनिधि, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक (डीडीएम), जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी के जिला कार्यक्रम प्रबंधक, रसेटी निदेशक एवं अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल जिला ग्रामीण के तत्वावधान में निकाली गयी शोभायात्रा

रांचीः जिले के मांडर एवं चान्हों प्रखंड में हर वर्ष की भांति विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में श्री राम जन्मोत्सव के निमित शोभायात्रा निकाली गयी। इस मोटर साइकिल शोभा यात्रा का उद्घाटन विश्व हिंदू परिषद के रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष रामेश्वर दयाल ,श्री सनातन महापंचायत के मुख्य संयोजक ललित कुमार ओझा , राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ,रांची विभाग सहमंत्री रोबिन महतो ,रांची ग्रामीण जिलामंत्री लोकनाथ शाहदेव के साथ अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से भगवा झंडा लहराकर शुरूआत किया गया। मौके पर जिला गौ रक्षा प्रमुख सरजू साहू, जिला सत्संग प्रमुख गुलाब सिंह, जिला सह मंत्री प्रवीण सिंह राणा, प्रखंड अध्यक्ष बजरंग सिंह, शतेश्वर सिंह, चाहों प्रखंड अध्यक्ष बैजनाथ महतो, आशीष सिंह, अरुण सिंह, विशाल सिंह, विजय कुमार, बॉबी, पवन सोनी, शेखर सोनी, सहित सैकड़ो कार्यकर्ता भाग लिया। इस अवसर पर वीएचपी एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा अतिथियों को भगवा पट्टा तथा अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात प्रभु श्री राम तथा वीर हनुमान जी की वंदना कर तथा हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर किया गया।

रामनवमी शोभायात्रा को लेकर रांची पुलिस अलर्ट, डीजीपी ने की हाई लेवल समीक्षा

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में रामनवमी शोभायात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सभी अखाड़ों ने भव्य शोभायात्रा निकालने की रणनीति तैयार कर ली है। वहीं जिला प्रशासन और पुलिस भी इस आयोजन को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह अलर्ट मोड में है।

एसएसपी कार्यालय में डीजीपी ने की बैठक: इसी क्रम में डीजीपी तदाशा मिश्रा ने रांची

एसएसपी कार्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में एसएसपी राकेश रंजन समेत सभी वरीय पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। डीजीपी ने शोभायात्रा से जुड़ी हर छोटी-बड़ी व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की।

ड्रोन कैमरों से निगरानी करने का निर्देश: डीजीपी ने संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में ड्रोन कैमरों से निगरानी करने का निर्देश दिया। साथ ही शोभायात्रा के निर्धारित मार्गों का पहले से भौतिक सत्यापन करने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने पर जोर दिया।

सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखने का आदेश: इसके अलावा सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कड़ी नजर रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। किसी भी तरह की अफवाह या भ्रामक सूचना फैलाने वालों पर तुरंत कार्रवाई करने को कहा गया है। डीजीपी ने सभी अधिकारियों को हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार रहने का निर्देश दिया।

शोभायात्रा समिति के सदस्यों से डीजीपी ने की बात: बैठक के दौरान डीजीपी ने रामनवमी शोभायात्रा समिति के सदस्यों से भी बातचीत की। बैठक में सीआईडी आईजी मनोज कौशिक, सभी थाना प्रभारी, डीएसपी, यातायात पुलिस अधिकारी समेत कई पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

बोर्ड एग्जाम में छात्रा ने कॉपी में लिखा- सर,प्लीज मुझे पास करवा दो..

रांची: बोर्ड एग्जाम के समय कई बार छात्र ऐसे जवाब लिख देते हैं जो सवाल से बिल्कुल अलग होते हैं। हाल ही में झारखंड की एक छात्रा की उत्तर पुस्तिका ऐसा वायरल जवाब सामने आया कि पढ़कर शिक्षक भी हंस पड़े।

'सर, मुझे पास कर दो, नहीं तो घर वाले शादी करवा देंगे!'

मामला यह है कि परीक्षा में एक सवाल का उत्तर न आने पर छात्रा ने अपनी कॉपी में अपनी व्यक्तिगत चिंता लिख दी। उसने लिखा, ₹मेरा नाम सरस्वती कुमारी है और मैं मैट्रिक लिखने आई हूं।

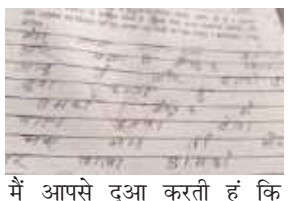

मैं आपसे दुआ करती हूं कि मैट्रिक में हमें पास करवा दें, नहीं तो मेरे घर वाले हमारा विवाह करवा देंगे। इस भावनात्मक अपील को पढ़कर कॉपी जांचने वाले शिक्षक भी हैरान रह गए। इस तरह के जवाब अक्सर परीक्षा के तनाव और छात्रों की चिंता को दशार्ते हैं।

सोशल मीडिया पर उत्तर तेजी से वायरल: हालांकि, ऐसे जवाबों पर अंक नहीं मिलते, क्योंकि मूल्यांकन केवल सही उत्तरों के आधार पर होता है, लेकिन सोशल मीडिया पर यह उत्तर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग छात्रा की मासूम गुहार पढ़कर हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। परीक्षा के दौरान छात्र कभी-कभी ऐसे रोचक और अलग जवाब लिखकर माहौल हल्का कर देते हैं। इस घटना ने फिर एक बार दिखा दिया कि बोर्ड एग्जाम में छात्रों की भावनाएं भी उनकी कॉपी में जगह पा जाती हैं।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का झारखंड दौरा

खूंटी और रांची में 22 पुलिस अफसरों की हुई तैनाती

संवाददाता

रांची: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के झारखंड दौरे को देखते हुए रांची और खूंटी में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जा रहे हैं। सुरक्षा के इंतजामों को पुख्ता करने के लिए कई जिलों से वरीय डीएसपी और डीएसपी स्तर के 22 पुलिस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति खूंटी और रांची जिले में की गई है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय के द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है।

रांची में कौन - कौन किए गए तैनात: एएसपी स्पेशल ब्रांच अभिषेक कुमार, एएसपी मुख्यालय लोहरदगा समीर कुमार तिर्की, डीएसपी जैप नूर मुस्तफा

अंसारी, डीएसपी स्पेशल ब्रांच संतोष कुमार मिश्रा, डीएसपी एसआईआर बोकारो साजिद जफर, डीएसपी सीटीसी मुसाबनी सुजीत राय, डीएसपी सरायकेला खरसावां प्रदीम उरांव, डीएसपी लातेहार संजीव कुमार मिश्रा, डीएसपी रामगढ़ फौजान अहमद, ट्रेनी डीएसपी धनबाद सुनील कुमार सिंह।

पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी किए गए आदेश में यह भी बताया गया है कि ये सभी पुलिस अधिकारी 26 मार्च से लेकर उपराष्ट्रपति के कार्यक्रम की समाप्ति तक राजधानी रांची में तैनात रहेंगे।

खूंटी में कौन कौन किए गए तैनात: सीनियर डीएसपी सिमडेगा रणवीर सिंह, सीनियर डीएसपी रामगढ़ चंदन कुमार वत्स, डीएसपी चाईबासा शिवेंद्र, डीएसपी स्पेशल ब्रांच रामजी महतो, डीएसपी, स्पेशल ब्रांच हिमांशु चंद्र मांझी, डीएसपी जैप आठ जेविड ए। डोहराय, डीएसपी एटीएस राजेश कुमार, डीएसपी गुमला विरेंद्र टोप्पो, डीएसपी धनबाद शंकर कामती, डीएसपी दुमका इकुड डुंगडुंग, डीएसपी देवघर वेंकटेश कुमार, ट्रेनी डीएसपी चाईबासा कुमार विनोद।

पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी किए गए आदेश में यह बताया गया है कि यह सभी डीएसपी खूंटी जिले में तैनात रहेंगे। इनकी तैनाती 25 मार्च से लेकर उपराष्ट्रपति के कार्यक्रम की समाप्ति तक रहेगी।

अवकाश की स्थिति में जिले से दूसरे अफसर को भेजने के आदेश: पुलिस मुख्यालय के द्वारा जारी आदेश में यह बताया गया है कि संबंधित जिला के वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक को प्रतिवेदित करना प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों में से किन्ही के अवकाश, अन्य कार्यों में व्यस्त रहने की पदाधिकारी उनके स्थान पर प्रतिस्थानी पदाधिकारी भेजना सुनिश्चित करेंगे।

राज्य में तीन दिन बंद रहेंगे बैंक

रांची: झारखंड सरकार ने रामनवमी के अवसर पर घोषित छुट्टी की तारीख में बदलाव कर दिया है। पहले यह अवकाश 26 मार्च को तय किया गया था, लेकिन अब इसे बदलकर 27 मार्च कर दिया गया है। इस फैसले से सरकारी कर्मचारियों और बैंक कर्मियों को लगातार तीन दिन की छुट्टी का लाभ मिलेगा। सभी कार्यालय शुक्रवार को रहेंगे बंद : राज्य सरकार ने रामनवमी की छुट्टी को लेकर नया निर्णय लिया है। अब 26 मार्च की जगह 27 मार्च को अवकाश रहेगा। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी की है। सरकार के अनुसार, कई संगठनों ने आग्रह किया था कि रामनवमी का त्योहार 27 मार्च को मनाया जाएगा, इसलिए छुट्टी भी उसी दिन दी जाए। सरकार को अलग-अलग माध्यमों से भी यही जानकारी मिली थी कि इस बार रामनवमी 27 मार्च को ही मनाई जाएगी। इस फैसले का असर सचिवालय, महालेखाकार कार्यालय, केंद्रीय उपक्रमों और बैंकों पर भी पड़ेगा। अब ये सभी कार्यालय शुक्रवार को बंद रहेंगे।

तीन दिन बंद रहेंगे बैंक: इसके अलावा, 28 मार्च को चौथा शनिवार है, जिस दिन बैंकों में पहले से ही छुट्टी रहती है। ऐसे में बैंक कर्मचारियों को लगातार तीन दिन–शुक्रवार, शनिवार और रविवार की छुट्टी मिलेगी।

जमीन घेराबंदी का ग्रामीणों ने किया विरोध

नामकुम: प्रखंड के कोजाटोली-खिजरी को जोड़नेवाली मुख्य सड़क व सरकारी स्कूल के समीप स्थित जमीन को सेना का बताते हुए जवानों ने उसे घेराबंदी करने लिए बुधवार को जेसीबी से गड्ढा करा रहे थे। जानकारी मिलने पर दर्जनों की संख्या में खिजरी-कोजाटोली के ग्रामीण एकजुट होकर पहुंचे गड्ढे खोदने का विरोध किया। विरोध को देखते हुए सेना के जवान जेसीबी लेकर चले गये। जिसके बाद ग्रामीणों ने किये गये गड्ढे को भर दिया। जानकारी के अनुसार ग्रामीणों की सूचना पर खिजरी मुखिया कामेर्ला कच्छप, जिप सदस्य रामावतार केरकेट्टा मौके पर पहुंचे। सेना के जवानों से बात की। जिसमें जवानों ने कहा कि उक्त जमीन उनके नक्शे में है। जबकि ग्रामीणों ने कहा कि कोजाटोली-खिजरी को जोड़ने का यह मुख्य मार्ग है। यह सड़क कई टोलों को जोड़ती है। पूर्व में पीसीसी सड़क व वर्षों से सरकारी स्कूल संचालित है। ग्रामीणों ने कहा कि किसी भी सूरत में घेराबंदी नहीं करने दिया जायेगा। अगर सेना जबरदस्ती घेराबंदी करेगी तो ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

महंगी हुई बिजली: अब प्रति यूनिट 7.40 रुपये, उपभोक्ताओं पर बढ़ा बोझ

सरकार से तत्काल राहत की मांग:महताब

मेट्रो रेज

रांची: बिजली दरों में हुई बढ़ोतरी को लेकर एआईएमआईएम नेता महताब आलम ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पहले से महंगाई की मार झेल रही जनता पर अब बिजली दर बढ़ाकर सरकार ने अतिरिक्त बोझ डाल दिया है।

महताब आलम ने कहा कि नई दरों के तहत अब उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 7.40 रुपये चुकाने होंगे, जो पहले की तुलना में 55 पैसे अधिक है। यह वृद्धि आम आदमी के लिए ह्लकरंट

का जोरदार झटकाह्व साबित होगी। उन्होंने कहा कि इससे मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों का मासिक बजट पूरी तरह बिगड़ जाएगा।उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनहित के मुद्दों पर गंभीर नहीं है और लगातार आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि बिजली दरों में बढ़ोतरी से छोटे व्यापारी, दुकानदार और लघु उद्योग भी प्रभावित होंगे, जिसका असर बाजार पर साफ दिखाई देगा।

महताब ने सरकार से मांग की कि इस निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए और आम जनता को राहत देने के लिए बिजली दरों में वृद्धि वापस ली जाए या सब्सिडी की व्यवस्था की जाए। अंत में उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम जनता के साथ खड़ी है और इस मुद्दे को लेकर जरूरत पड़ी तो व्यापक आंदोलन भी किया जाएगा।

राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए चयन शिविर 29 मार्च को रांची में

रांची : राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता रांची में 31 मार्च से 01 अप्रेल 2026 को देखते हुए। रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन ने दिनांक 29/03/26 को रांची जिला के बॉक्सरों का चयन शिविर रखा है।जिसको देखते हुए रांची जिला के जूनियर बालक एवं बालिका एवं यूथ महिला पुरुष बॉक्सरों का चयन किया जाएगा।चयन प्रक्रिया सुबह 7:00 बजे से खेलगांव स्थित बॉक्सिंग हॉल होटवार रांची में होगा।

रांची जिला के मान्यता प्राप्त क्लब के खिलाड़ी इस चयन शिविर में हिस्सा ले सकते है।अधिक जानकारी के लिए गुलाम जावेद कोषाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी (आरडीबीए)मो० न 7488622241 पर संपर्क कर सकते है।

राज्यपाल से मिला भारतीय जनता मजदूर संघ का प्रतिनिधिमंडल, पुस्तक भेंट कर श्रमिक मुद्दों पर की चर्चा

मेट्रो रेज

रांची: राज्यपाल संतोष गंगवार से भारतीय जनता मजदूर संघ का एक प्रतिनिधिमंडल मिला। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्जुन चौधरी, प्रदेश महामंत्री सुनील कुमार सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्रीचंद प्रसाद,अधिवक्ता राजीव रंजन राज तथा बीजेएमएस के जिला सचिव रेणु दुबे शामिल थीं। प्रतिनिधिमंडल की ओर से महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार को एक शब्द जो बदल दे आपकी दुनियां नामक प्रेरणादायक पुस्तक भेंट की गई। पुस्तक में सफलता के लिए 25 महत्वपूर्ण शब्दों के माध्यम से जीवन में सकारात्मक बदलाव और लक्ष्य प्राप्ति के उपाय बताए गए हैं। इसमें साहस, निरंतर प्रयास, कार्य प्रणाली तय करना, और लगातार सीखते रहने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को सरल

रूप से प्रस्तुत किया गया है। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधि मंडल ने झारखंड के मजदूरों की वर्तमान स्थिति, समस्याओं और उनके कल्याण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। राज्यपाल ने सभी बातों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, आवश्यक पहल का आश्वासन दिया। इस बैठक को श्रमिक हितों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे भविष्य में मजदूरों की समस्याओं के समाधान की दिशा में पहला संभव हो सकेगी।

झारखण्ड सरकार
मंडल कारा, गुमला
गृह, कारा, एवं आपदा प्रबंधन विभाग
दूरभाष सं0–06524-223104 (का0)
e-mail Id. jailsuperintendent.gml@gmail.com/
dj-gumla@jharkhandmail.gov.in

ई0–निविदा सूचना

1.	कारा का नाम	मंडल कारा, गुमला।
2.	विषय	कारा में संस्तीमित बंदियों के भोजनादि की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार खाद्यान्नों, हरी सब्जियों, आलू, फल, चीनी एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त ई0–निविदा का आमंत्रण। द्वितीय त्रैमासिक निविदा (दिनांक 01.04.2026 से 30.06.2026)
3.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	₹5,000.00 (पाँच हजार) मात्र।
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्ध की तिथि एवं समय।	तिथि–14.04.2026 से 21.04.2026 के अपराह्न 4:00 बजे तक।
5.	निविदा online upload करने की तिथि	तिथि–14.04.2026 से 21.04.2026 के अपराह्न 4:00 बजे तक।
6.	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (sample) जमा करने की तिथि	तिथि–22.04.2026 से 23.04.2026 के अपराह्न 4:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7.	अग्रधन राशि (EMD) (₹2500/–से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि।	तिथि–22.04.2026 से 23.04.2026 के अपराह्न 4:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8.	निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान	तिथि–24.04.2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त की उपस्थिति में।

नोट:–
1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhandtender.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु मंडल कारा, गुमला के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

काराधीक्षक
मंडल कारा, गुमला।
PR 376017 (Home, Prison And Disaster Management) 25-26 (D)

रामनवमी पर भक्ति के रंग में रंगी रांची महावीरी पताका और बांस की बढ़ी मांग

संवाददाता

रांची: रामनवमी के पावन अवसर पर राजधानी रांची पूरी तरह भक्ति के रंग में रंग चुकी है। शुक्रवार को होने वाले मुख्य पूजन और भव्य शोभायात्रा को लेकर शहर के हर चौक-चौराहे, सड़क और मोहल्ले को महावीरी पताकाओं से सजा दिया गया है। शहर का माहौल पूरी तरह धार्मिक आस्था और उत्साह से सराबोर है।

बड़े आकार की पताकाओं की मांग ज्यादा: रामनवमी के मौके पर महावीरी पताका लगाने की परंपरा को लेकर इस बार बाजार में जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। छोटे से लेकर बड़े आकार तक की पताकाएं बाजार में उपलब्ध हैं। कीमत की बात करें तो महावीरी पताका 5 रुपए से शुरू होकर 3500 रुपए तक में मिल रही है। लोग अपनी जरूरत और सामर्थ्य के अनुसार पताकाएं खरीद रहे हैं। छोटे घरों के लिए

साधारण पताका तो बड़े मंदिरों और अखाड़ों के लिए विशेष डिजाइन और बड़े आकार की पताकाओं की मांग ज्यादा है।

रोजाना ट्रकों और छोटे वाहनों के जरिए बांस मंगवाया जा रहा है : पताका लगाने के लिए सबसे जरूरी सामग्री बांस की मांग भी इन दिनों चरम पर है। रांची के आसपास के कई ग्रामीण इलाकों से बांस की आपूर्ति की जा रही है। लोहरदगा, सिमलिया, ठाकुरगांव, बुंडू, सिल्ली, नगड़ी, नामकुम के ग्रामीण क्षेत्र और पिठौरिया जैसे इलाकों से बड़ी मात्रा में बांस शहर में पहुंच रहे हैं। व्यापारी बताते हैं कि इन क्षेत्रों से रोजाना ट्रकों और छोटे वाहनों के जरिए बांस मंगवाया जा रहा है ताकि मांग को पूरा किया जा सके।

बांस की कीमत भी उसके आकार और ऊंचाई पर निर्भर कर रही है। बाजार में बांस की कीमत 10 रुपए से शुरू है। छोटे पताकाओं के लिए पतले और छोटे बांस की मांग है, वहीं बड़ी शोभायात्राओं और अखाड़ों के लिए लंबे और मजबूत बांस खरीदे जा रहे हैं। व्यापारी, ग्राहकों की जरूरत के हिसाब से बांस उपलब्ध करा रहे हैं।

पताका के साथ दूसरे सामान की भी बिक्री तेज: बाजार में पताका के साथ-साथ उससे जुड़े अन्य सामानों की भी बिक्री तेज है। रस्सी, कपड़ा, सजावटी सामग्री और झंडे के डंडे जैसे सामानों की मांग भी बढ़ गई है। दुकानदारों का कहना है कि रामनवमी के एक-दो दिन पहले मांग अपने चरम पर पहुंच जाती है, ऐसे में स्टॉक बनाए रखना बड़ी चुनौती होती है।

वहीं, शहर में सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन की ओर से संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। शोभायात्रा को लेकर रूट तय कर दिए गए हैं और पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की तैयारी की गई है।

महावीरी झंडों ने शहर को धार्मिक रंग में रंग दिया: रामनवमी को लेकर रांची में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। एक ओर जहां गांवों से बांस की सप्लाई शहर की जरूरतें पूरी कर रही हैं, वहीं बाजार में महावीरी पताका की बहार ने पूरे शहर को धार्मिक रंग में रंग दिया है। शुक्रवार को निकलने वाली शोभायात्रा के साथ यह उत्सव अपने चरम पर होगा।

हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग

बन्दोबस्ती हेतु आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को आम सूचित किया जाता है कि हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग द्वारा निम्नांकित तालिका में क्रमांक 1 से 11 का वित्तिय वर्ष 2026–2027 (01.04.2026 से 31.03.2027 तक) के लिए बन्दोबस्ती हेतु खुला डाक का आयोजन दिनांक 02.04.2026 को 3:00 अपराह्न बजे से नगर निगम सभागार में आयोजित की जायेगी इच्छुक व्यक्ति दिनांक 27.03.2026 से 01.04.2026 तक नगर निगम कार्यालय में आवेदन के साथ शुल्क जमा कर फार्म प्राप्त कर सकते है:–

क्र.स.	सैरात का नाम	अवधि	बन्दोबस्ती की राशि	जमानत की राशि
1	प्राईवेट टैक्सी स्टैण्ड की निलामी।	2026–2027	7,95,000/–	79,500/–
2	गुरू गोविन्द सिंह पार्क के सामने दोनो तरफ वाहन पडाव की निलामी।	2026–2027	2,92,500/–	29,250/–
3	बैंक ऑफ बडौदा के समाने दो पहिया वाहन पडाव की निलामी।	2026–2027	70,875/–	7,087/–
4	गाँधी मैदान मटवारी में निगम मार्केट के सामने एवं पीछे वाहन पडाव की निलामी।	2026–2027	2,30,000/–	23,000/–
5	सब्जी बाजार की निलामी।	2026–2027	86,85,000/–	8,68,500/–
6	सरकारी बस स्टैण्ड की निलामी।	2026–2027	4,34,500/–	43,450/–
7	स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया मुख्य शाखा के सामने वाहन पडाव की निलामी।	2026–2027	1,72,000/–	17,200/–
8	कचहरी रोड/वकालत खाना रोड में वाहन पडाव की निलामी।	2026–2027	5,51,000/–	55,100/–
9	बैंक ऑफ इण्डिया के समीप वाहन पडाव की निलामी।	2026–2027	68,000/–	6,800/–
10	इन्दपूरी से पुलिस लाईन के बीच पश्चिम तरफ की वाहन पडाव निलामी।	2026–2027	1,06,200/–	10,620/–
11	पोस्ट ऑफिस के सामने दो पहिया की वाहन पडाव की निलामी।	2026–2027	59,000/–	5,900/–

–डाक में भाग लेने वाले इच्छुक डाकवक्ता के द्वारा जमानत की राशि बैंक ड्राफ्ट जो नगर आयुक्त नगर निगम, हजारीबाग के पदनाम से भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य शाखा हजारीबाग में भुगतेय हो, डाक की तिथि से एक दिन पूर्व जमा करना होगा।
–किसी भी डाक को अस्वीकृत या बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार नगर निगम को सुरक्षित रहेगा एवं किसी प्रकार का दावा मान्य नही होगा।
–सफल डाकवक्ता द्वारा बिना निगम कार्यालय के सहमति के स्वीकृत डाक की संपूर्ण राशि जमा नहीं करने या बन्दोबस्ती लेने से इन्कार करने पर कार्यालय द्वारा उनके विरूद्ध कडी कानूनी कार्रवाई करते हुए उनका नाम काली सूची में दर्ज की जायेगी।
–डाक की शेष नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी नगर निगम, हजारीबाग कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

नगर आयुक्त
नगर निगम, हजारीबाग
PR 376063 Urban Development and Housing(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

वैश्विक ऊर्जा संकट 1970 के दशक से भी भयंकर !

पश्चिम एशिया में अमेरिकाह्नइजराइल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को अभूतपूर्व संकट में डाल दिया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल द्वारा दी गई चेतावनी कि यह संकट 1970 के दशक के तेल संकट से भी अधिक गंभीर हो सकता है, वर्तमान स्थिति की भयावहता को रेखांकित करती है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को अस्थिर कर दिया है, जिससे ऊर्जा बाजारों में अनिश्चितता चरम पर पहुंच गई है।

इतिहास में पीछे जाएं और 1970 के दशक को देखें तो ध्यान में आता है कि उस दौरान भी तेल संकट मुख्यतः उत्पादन में कटौती और राजनीतिक दबावों के कारण उत्पन्न हुआ था, किंतु उस तुलना में वर्तमान संकट कहीं अधिक जटिल है। इसमें सैन्य संघर्ष, समुद्री मार्गों पर खतरा, साइबर और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे कई आयाम शामिल हैं। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को दी गई सख्त चेतावनी कि यदि ह्यहोर्मुज जलडमरूमध्यह्न को नहीं खोला गया तो ईरानी ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जाएगा ने स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना दिया है।

इसी के समानांतर, इजराइल ने भी अपने सैन्य अभियानों को तेज किया है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ गई है। मिसाइल हमलों और जवाबी कार्रवाई ने वैश्विक ऊर्जा प्रवाह को भी बाधित किया है। जबकि ये सर्वविदित है कि ह्यहोर्मुज जलडमरूमध्यह्न विश्व के कुल तेल और गैस परिवहन का लगभग 20 फीसद वहन करता है। इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का अर्थ है वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल। वर्तमान संघर्ष के कारण कई टैंकर इस मार्ग से गुजरने में असमर्थ रहे हैं और सैकड़ों जहाज खाड़ी में लंगर डाले प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस स्थिति के चलते वर्तमान में ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता, परिवहन लागत में वृद्धि और वैश्विक मुद्रास्फीति के बढ़ने का भी संकेत लगतार मिल रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) सदस्य देशों ने 40 करोड़ बैरल तेल अपने रणनीतिक भंडार से जारी करने का निर्णय लिया है। यह कदम बाजार में अस्थिरता को नियंत्रित करने का प्रयास है, किंतु यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो यह उपाय भी सीमित साबित हो सकता है।

भारत, जोकि अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, इस संकट से सीधे प्रभावित होने वाला देश है। फिर भी, इस संकट के दौरान भारत ने जिस प्रकार बहुस्तरीय रणनीति अपनाई है, वह उल्लेखनीय है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कूटनीति, सैन्य तैयारी और आर्थिक प्रबंधन का संतुलित समन्वय प्रस्तुत किया है। जहां कई देश केवल प्रतिक्रिया देते नजर आए, वहीं भारत ने सक्रिय नीति अपनाते हुए संकट को अवसर में बदलने का प्रयास किया।

भारत ने इस पूरे संघर्ष में किसी एक पक्ष का खुला समर्थन करने के बजाय संतुलित कूटनीति अपनाई। ईरान, खाड़ी देशों और पश्चिमी शक्तियों के साथ संवाद बनाए रखते हुए भारत ने अपने जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित किया। इस नीति का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह बाधित नहीं हुई। साथ ही, वैश्विक मंच पर भारत की छवि एक जिम्मेदार और विश्वसनीय शक्ति के रूप में मजबूत हुई।

भारत ने संकट के शुरूआती चरण में ही अपनी नौसेना को सक्रिय कर दिया। संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में एस्कॉर्ट ऑपरेशन चलाए गए, जिससे भारतीय टैंकरों को सुरक्षित मार्ग मिल सका। ह्यजग लाडकीह्न, ह्यशिवालिकह्न और ह्यनंदा देवीह्न जैसे टैंकरों की सुरक्षित वापसी इस रणनीति की सफलता का प्रमाण है। इन जहाजों के माध्यम से कच्चे तेल और एलपीजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हुई, जिससे देश में ऊर्जा संकट टल गया।

एक तरह से देखा जाए तो ऊर्जा संकट के दौरान सबसे बड़ा खतरा आपूर्ति में कमी नहीं, ह्यघबराहटह्न होता है। भारत ने इसे समझते हुए आपूर्ति प्रबंधन को प्राथमिकता दी। सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी, जबकि औद्योगिक उपयोग को नियंत्रित किया गया। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई की गई। परिणामस्वरूप, देश में गैस और ईंधन की व्यापक कमी या सामाजिक असंतोष देखने को नहीं मिला।

वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद भारत ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अपेक्षाकृत नियंत्रित रखा। यह संभव हुआ कर नीति, वैकल्पिक स्रोतों से आयात और कुशल आपूर्ति प्रबंधन के कारण। इस नीति का सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि महंगाई पर नियंत्रण बना रहा और आर्थिक गतिविधियां बाधित नहीं हुईं। जहां कई देशों में ऊर्जा संकट ने अर्थव्यवस्था को झटका दिया, वहीं भारत अपेक्षाकृत स्थिर बना रहा।

यहां उल्लेखित है कि पिछले एक दशक में भारत ने ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। रूस, अमेरिका और अन्य देशों से आयात बढ़ाने की नीति ने इस संकट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका परिणाम यह हुआ कि किसी एक क्षेत्र में संकट आने के बावजूद भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह बाधित नहीं हुई। यह रणनीति भविष्य के लिए भी ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत आधार तैयार करती है।

संकट प्रबंधन में डिजिटल तकनीक का उपयोग भी भारत की सफलता का एक प्रमुख कारण रहा। रियल-टाइम डेटा के माध्यम से आपूर्ति और वितरण की निगरानी की गई, जिससे त्वरित निर्णय लेना संभव हुआ। राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान किया गया। इससे संकट अराजकता में परिवर्तित नहीं हुआ और व्यवस्था बनी रही।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत एक ह्यसंतुलनकारी शक्तिह्न के रूप में उभरा है। वैश्विक नेताओं द्वारा यह संकेत दिया जाना कि भारत इस संघर्ष को कम करने में भूमिका निभा सकता है, उसकी बढ़ती कूटनीतिक शक्ति का प्रमाण है। अमेरिकाह्नइजरायल और ईरान के बीच युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य की अस्थिरता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक विश्व में ऊर्जा सुरक्षा उनके प्रबंधन और रणनीतिक नियंत्रण का विषय है।

इस संकट के बीच भारत ने जिस प्रकार संतुलित कूटनीति, सैन्य तैयारी, आर्थिक नीति और प्रशासनिक दक्षता का समन्वय किया, वह एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करता है। भविष्य में, जैसे-जैसे वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव बढ़ेंगे, ऊर्जा सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी। ऐसे में भारत की रणनीति उसे संकट से उबारने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि कहना होगा कि उसे वैश्विक मंच पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। फिलहाल तो यही नजर आ रहा है।

प्राकृतिक संसाधन: सृष्टि की साझा धरोहर, मानवता का नैतिक न्यास दायित्व

इसी आधार पर प्राकृतिक संसाधनों पर एकाधिकार का विचार मूलतः अमानवीय है। मनुष्य अधिकतम स्वयं को इन संसाधनों का संरक्षक और न्यासी कह सकता है। उसके पास उपयोग का अधिकार है, स्वामित्व का नहीं। एक न्यासी संसाधनों का संरक्षण करता है, उनका विनाश नहीं करता। वर्तमान विश्व व्यवस्था ने इस मूलभूत सत्य को पीछे छोड़ दिया है। देखा यह जा रहा है कि जो संसाधन मानवता की सामूहिक धरोहर थे।

कैलाश चन्द्र

पृथ्वी पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन जल, वायु, वन, खनिज, मिट्टी, जीवह्नजंतु और ऊर्जा स्रोत मानवता की निजी संपत्ति न होकर संपूर्ण सृष्टि की साझा धरोहर हैं। यह विचार केवल नैतिक आग्रह नहीं है, बल्कि पृथ्वी के भूगर्भीय इतिहास, जैविक विकास और आधुनिक वैज्ञानिक समझ का गहन निष्कर्ष है। विज्ञान स्पष्ट करता है कि जिन ऊर्जा स्रोतों पर आधुनिक सभ्यता आधारित है, वे मानव जीवन की समय-सीमा में पुनः निर्मित नहीं हो सकते।

पेट्रोलियम को बनने में पांच से 30 करोड़ वर्ष, कोयले को तीन से 40 करोड़ वर्ष और प्राकृतिक गैस को करोड़ों वर्षों का समय लगता है। पृथ्वी की विशाल प्रयोगशाला ने जिन्हें युगों में निर्मित किया, उन्हें मनुष्य यदि कुछ वर्षों के युद्ध, संघर्ष या लालच में नष्ट कर दे, तो यह न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से मूर्खता है बल्कि नैतिक रूप से भी गंभीर अन्याय है।

भारतीय चिंतन इस सत्य को प्राचीन काल से ही स्वीकार करता आया है। ह्यअथर्ववेदह्न में कहा गया है ह्नमाता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याःह्न। अर्थात पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। इसका स्पष्ट अर्थ है कि पृथ्वी के उपहार किसी एक समाज, राष्ट्र या पीढ़ी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समस्त जीव जगत के लिए समान रूप से हैं। उपनिषद का वाक्य ह्नईशावास्यमिदं सर्वंह्न इसी भावना को और व्यापक बनाता है। यह सम्पूर्ण जगत किसी का निजी स्वामित्व नहीं, बल्कि साझा अस्तित्व है। आधुनिक भाषा में इसे वैश्विक साझा संसाधन कहा जा सकता है, जहाँ संसाधन किसी के स्वामित्व में नहीं बल्कि सबके उपयोग के लिए होते हैं।

इसी आधार पर प्राकृतिक संसाधनों पर एकाधिकार का विचार मूलतः अमानवीय है। मनुष्य अधिकतम स्वयं को इन संसाधनों का संरक्षक और न्यासी कह सकता है। उसके पास उपयोग का अधिकार है, स्वामित्व का नहीं। एक न्यासी संसाधनों का संरक्षण करता है, उनका विनाश नहीं करता। वर्तमान विश्व व्यवस्था ने इस मूलभूत सत्य को पीछे छोड़ दिया है। देखा यह जा रहा है कि जो संसाधन मानवता की सामूहिक धरोहर थे, वे अब संपत्ति, राजनीतिक शक्ति, भू रणनीतिक हथियार और औद्योगिक लाभ के साधन बन गए हैं। पश्चिम एशिया में तेल कुओं पर हमले, रूस यूक्रेन संघर्ष में गैस पाइपलाइन का टूटना या अफ्रीका में खनिज क्षेत्रों को लेकर गृहयुद्ध, ये सभी घटनाएँ केवल स्थानीय नहीं बल्कि वैश्विक प्रभाव डालती हैं।

तेल महंगा होता है, परिवहन लागत बढ़ती है, बिजली दरें ऊँची होती हैं और खाद्य संकट गहराता है। अंततः सबसे अधिक पीड़ा उस सामान्य जन को झेलनी पड़ती है जिसने न युद्ध किया और न संसाधनों का दुरुपयोग किया। यह वैश्विक अन्याय का विकृत स्वरूप है। प्राकृतिक संसाधनों की हानि केवल आर्थिक संकट तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन को भी प्रभावित करती है। एक जंगल के कटने से वर्षा चक्र, मिट्टी की उर्वरता, जल संचयन और वन्य जीवन सब प्रभावित होते हैं। समुद्र में तेल रिसाव से केवल समुद्री जीवन नहीं, बल्कि वैश्विक ताप वृद्धि और जलवायु संकट भी उत्पन्न होता है।

जल प्रदूषण एक नदी को नहीं, बल्कि उससे जुड़े संपूर्ण जीवन तंत्र को प्रभावित करता है। इसलिए यह कहना अधूरा है कि संसाधनों की हानि केवल एक राष्ट्र की हानि है। वास्तविकता यह है कि यह पूरी सृष्टि की हानि है। भारतीय दर्शन इस व्यापक दृष्टि को वसुधैव कुटुम्बकम् के रूप में प्रस्तुत करता है। इसका अर्थ है कि पृथ्वी एक परिवार है और संसाधनों का उपयोग समानता, संयम और कल्याण के आधार पर होना चाहिए।

आधुनिक पर्यावरण दर्शन भी इसी को पर्यावरणीय न्याय के रूप में स्वीकार करता है, जिसमें संसाधनों का समान उपयोग, समान उपलब्धता और समान संरक्षण आवश्यक माना गया है, किन्तु वर्तमान विश्व इस मार्ग से भटक गया है। संसाधनों से सम्पन्न देश उन्हें शक्ति और दबाव के साधन के रूप में प्रयोग करते हैं, जबकि निर्भर देश असुरक्षित और अस्थिर बने रहते हैं। यह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक असमानता भी है।

यदि किसी देश या क्षेत्र को अधिक संसाधन प्राप्त हैं, तो उसका प्रथम दायित्व उनका संरक्षण होना चाहिए न कि उनका शोषण। भारतीय परंपरा प्रकृति को माता मानती है और सिखाती है कि संसाधनों का उपयोग संयम और सह अस्तित्व के साथ किया जाए। यह दर्शन हमें अधिक उपभोग नहीं, बल्कि सतत और संतुलित उपभोग का मार्ग दिखाता है। मानवता को यदि संसाधनों को लेकर संघर्ष समाप्त करना है, तो उसे यह समझना होगा कि वह पृथ्वी का स्वामी नहीं, बल्कि संरक्षक है।

महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित न्यास सिद्धांत भी यही बताता है कि संपत्ति का उपयोग लोकहित में होना चाहिए। यही सिद्धांत प्राकृतिक संसाधनों पर भी लागू होता है कि उनका उपयोग सृष्टि हित में हो, न कि स्वार्थ के लिए। यदि किसी क्षेत्र में तेल है तो वह केवल वहाँ के लोगों का नहीं, बल्कि समस्त मानवता का है। यदि किसी देश में वन हैं, तब वे पूरे पृथ्वी के पर्यावरण संतुलन का आधार हैं। यदि किसी नदी का स्रोत किसी देश में है, तब उसका जल संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र का है, इसलिए संसाधनों पर एकाधिकार की सोच सीमित और स्वार्थपूर्ण है। इसके विपरीत, भारतीय दर्शन सिखाता है कि सृष्टि की रक्षा ही मानवता की रक्षा है।

यह समझ लीजिए कि प्रकृति की समृद्धि में ही सभ्यता का भविष्य निहित है और संसाधनों की समानता में ही विश्व कल्याण संभव है। अतः आज आवश्यकता है कि वैश्विक समाज इस सत्य को स्वीकार करे कि पृथ्वी की धरोहर का संरक्षण, संतुलित उपयोग और न्यायपूर्ण वितरण हम सबका साझा दायित्व है। यही दृष्टि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और संतुलित संसार प्रदान कर सकती है।

अमर है इंकलाबी कलमकार का प्रताप

उनके पास सत्ता की ताकत नहीं थी किंतु अपनी बेबाक धारदार कलम से अंग्रेज हुकूमत की दमनकारी नीतियों, सामाजिक अन्याय, शोषण और जमींदारों, सामंतों के अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रहित जनहित में इंकलाब का उद्घोष किया। 26 अक्टूबर, 1890 को इलाहाबाद में जन्मे विद्यार्थी का बचपन मध्य प्रदेश के वर्तमान अशोकनगर जिले के मुंगावली में बीता।

डॉ.अशोक कुमार भार्गव

अपनी कलम से ही करूंगा, दुश्मनों के सर कलम ।' निसंदेह हिंदी पत्रकारिता जगत के निर्भीक, क्रांतिकारी पत्रकार, स्वाधीनता सेनानी, समाजसेवी और कुशल राजनीतिज्ञ गणेश शंकर विद्यार्थी ने आजादी की लड़ाई में अपनी कलम को ही अपना अस्त्र बना लिया। उनके पास सत्ता की ताकत नहीं थी किंतु अपनी बेबाक धारदार कलम से अंग्रेज हुकूमत की दमनकारी नीतियों, सामाजिक अन्याय, शोषण और जमींदारों, सामंतों के अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रहित जनहित में इंकलाब का उद्घोष किया। 26 अक्टूबर, 1890 को इलाहाबाद में जन्मे विद्यार्थी का बचपन मध्य प्रदेश के वर्तमान अशोकनगर जिले के मुंगावली में बीता। प्रारंभिक शिक्षा प्रयागराज में हुई। पढ़ाई के दौरान ही उनका विवाह हो गया। कानपुर कर्मस्थली रही। कानपुर के सूती मिल के मजदूरों की दुर्दशा देख उनके हितों के संघर्ष हेतु उन्हें संगठित किया। 1908 में कानपुर करंसी में नौकरी की बाद में हाईस्कूल में शिक्षक बने किंतु दोनों ही स्थान पर देशप्रेम को समर्पित 'अभ्युदय' पत्रिका पढ़ने से मना करने पर स्वाभिमानी विद्यार्थी ने नौकरी से

1913 में महाराणा प्रताप के पराक्रम से प्रेरित होकर 'प्रताप' नामक साप्ताहिक पत्र प्रारंभ किया। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आशीष स्वरुप 'प्रताप' के लिए यह पंक्तियां प्रेषित की ₹जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है, वह नर नहीं नर पशु निरा है और मृतक समान है₹ विद्यार्थी ने इसे आरंभ से अंत तक 'प्रताप' का मूल मंत्र बना पत्रकारिता को सामाजिक कर्म का प्रतीक निरूपित किया। प्रताप का समग्र सृजन नैतिक मूल्यों, आदर्शों, जन आंदोलनों और आजादी की लड़ाई के प्रति प्रतिबद्ध था। स्वाधीनता संग्राम के उच्चतम प्रतिमानों से प्रेरित होकर विद्यार्थी ने प्रताप के पहले अंक में ' प्रताप की नीति' लेख लिखा जो आज भी पत्रकारिता के आदर्श घोषणा पत्र के रूप में प्रतिष्ठित है।

वे लिखते हैं, ₹आज अपने हृदय में नई-नई आशाओं को धारण करके और अपनी उद्देश्यों पर पूर्ण विश्वास रखकर प्रताप कर्म क्षेत्र में आता है। समस्त मानव जाति का कल्याण हमारा परमोद्देश्य है और इसकी प्राप्ति का एक बहुत बड़ा जरूरी साधन हम भारतवर्ष की उन्नति को समझते हैं।₹ वे 'प्रताप' के माध्यम से अपनी जिम्मेदारियों को रेखांकित करते हुए लिखते हैं, "हम अपने देश और समाज की सेवा के पवित्र काम का भार अपने ऊपर लेते हैं। हम अपने भाइयों और बहनों को उनके कर्तव्य और अधिकार समझाने का यथाशक्ति प्रयत्न करेंगे। राजा और प्रजा में, एक जाति और दूसरी जाति में, एक संस्था और दूसरी संस्था में बैर और विरोध, अशांति और असंतोष ना होने देना हम अपना परम कर्तव्य समझेंगे।"

इसी लेख में वे पत्रकारिता के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं, ₹किसी की प्रशंसा या अप्रशंसा, किसी की प्रसन्नता या अप्रसन्नता, किसी की घुड़की या धमकी हमें अपने सुमार्ग से विचलित न कर सकेगी। सत्य और न्याय हमारे भीतरी पथ प्रदर्शक होंगे। सांप्रदायिक और व्यक्तिगत झगड़ों से प्रताप सदा अलग रहने की कोशिश करेगा। उसका जन्म किसी विशेष सभा, संस्था, व्यक्ति या मत के पालन पोषण, रक्षण या विरोध के लिए नहीं हुआ है किंतु उसका मत स्वातंत्र्य विचार और उसका धर्म सत्य होगा। हम जानते हैं कि हमें इस काम में बड़ी-बड़ी कठिनाइयों को सामना करना पड़ेगा और इसके लिए बड़े भारी साहस और आत्म बल की आवश्यकता है। हमें यह भी अच्छी तरह मालूम है कि हमारा जन्म निर्बलता, पराधीनता और अल्प सत्ता के वायुमंडल में हुआ है तो भी हमारे हृदय में सत्य की सेवा करने के लिए आगे बढ़ने की इच्छा है। हम न्याय में राजा और प्रजा दोनों का साथ देंगे परंतु अन्याय में दोनों में से किसी का भी नहीं। हमारी यह हार्दिक अभिलाषा है कि देश की विविध जातियों,संप्रदायों और वर्णों में परस्पर मेल मिलाप बढ़े।

विद्यार्थी का अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति समर्पण अद्भुत था। अपने उद्देश्यों से भटकना वे मृत्यु के समान मानते थे। इसीलिए वह स्पष्ट करते हैं, ₹जिस दिन हमारी आत्मा ऐसी हो जाए कि हम अपने प्यारे आदर्श से डिग जावें, जानबूझकर असत्य के पक्षपाती बनने की बेशर्मी करें और उदारता, स्वतंत्रता तथा निष्पक्षता को छोड़ देने की भीरुता दिखाए, वह दिन हमारे जीवन का सबसे अभागा दिन होगा और हम चाहते हैं कि हमारी उस नैतिक मृत्यु के साथ ही हमारे जीवन का भी अंत हो जाए।₹ सचमुच विद्यार्थी की पत्रकारिता का यह कालजयी दर्शन आधुनिक भारतीय पत्रकारिता का प्रकाश स्तंभ है।

अपने क्रांतिकारी लेखों और भाषणों के कारण कई बार 'प्रताप' पर उन्हें जुमार्ना, सजा, दंड, कुर्की और पांच बार जेल यात्रा की सौगातें प्राप्त हुई। उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसक आंदोलन के समर्थन के साथ ही भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई। यद्यपि विद्यार्थी ने स्वराज अखबार से उर्दू में लिखना प्रारंभ किया था किंतु हिंदी के प्रति उनके ममत्व ने उन्हें हिंदी में लिखने हेतु प्रेरित किया।उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के हर संभव प्रयासों में अप्रतिम योगदान दिया। वह भाषा की महत्ता को गंभीरता से समझते थे इसीलिए एक बार बड़ी गहराई में उतर कर उन्होंने लिखा था, ₹मुझे देश की आजादी और भाषा की आजादी में से किसी एक को चुनना पड़े तो मैं निःसंकोच भाषा की आजादी चुनूंगा। देश की आजादी के बावजूद भाषा की गुलामी रह सकती है लेकिन अगर भाषा आजाद हुई तो देश गुलाम नहीं रह सकता। क्योंकि भाषा हमारे जातीय जीवन और संस्कृति की रक्षिका, शील का दर्पण और विकास का वैभव है। पराई भाषा चरित्र की दृढ़ता का अपहरण कर लेती है, मौलिकता का विनाश कर देती है और नकल करने का स्वभाव बना कर उत्कृष्ट गुणोंऔर प्रतिभा से नमस्कार करा देती है।

उन्होंने हिंदी को साहित्यिक जटिलता से मुक्त कर भारत के स्वाधीनता संग्राम, जन जागरण, सांप्रदायिक सद्भाव,मजदूरों, किसानों और आम आदमी की भाषा बनाया। उनके लेखों में हिंदी सरल बोधगम्य सशक्त विद्रोही भाषा के रूप में विकसित हुई। उन्होंने विक्टर ह्यूगो के प्रसिद्ध उपन्यास 'नाइंटी थ्री' का हिंदी में बलिदान नाम से अनुवाद किया। हिंदी में शेखचिल्ली की कहानियां लिखी। हिंदी साहित्य सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी की और सरस्वती, कर्मयोगी, स्वराज्य, हित वार्ता में उनके क्रांतिकारी लेख प्रकाशित होते रहे। विद्यार्थी की प्रेरणा से 1924 में कानपुर कांग्रेस अधिवेशन में श्यामलाल गुप्त पार्षद द्वारा रचित झंडा गीत ₹विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा₹ का स्वागत गीत के रूप में सामूहिक गायन प्रस्तुत किया गया। यह गीत आज भी देशवासियों के मन में ऊर्जा का संचार करता है।

अंग्रेज हुकूमत ने 23 मार्च, 1925 को शहीद ऐ आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुना दी। समग्र राष्ट्र शोक संतप्त हुआ। कानपुर में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए। सर्व धर्म समभाव को भारत की आत्मा मानने वाले विद्यार्थी स्वयं सेवकों के साथ हिंदू मुस्लिम दंगों की धधकती ज्वाला को शांत करने, पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए उनके बीच चले गए। इसी दौरान दंगाइयों ने उनकी नृशंस हत्या कर दी। दो दिन बाद लाशों के ढेर में उनके शव की पहचान की गई। हैवानियत के उस नर्क में आजादी का स्वप्न देखने वाली आंखें सदा के लिए बंद हो गई। जिस धार्मिक

अखंड ज्योति में रुई की बत्ती एक बड़ी मिस्टेक !

रानवरात्रि के पर्व के दौरान हर घर में देवी दुर्गा की विधिवत रुप से पूजा की जाती है। घरों में अखंड ज्योति भी जलाई जाती है। इस नवरात्रि में आपके घर में अखंड दीपक रखा गया होगा और कोशिश रहती है कि यह नौ दिनों तक जलता रहे। लेकिन इसके लिए कुछ जरुरी वास्तु नियमों का पालन करना बेहद जरुरी माना जाता है। आइए आपको इस लेख में घर के सही दिशा में अखंड ज्योति जलाने के बारे में बताएंगे।

अखंड ज्योति के लिए सबसे उत्तम दिशा वास्तु शास्त्र के मुताबिक, पूजा घर में दीपक को सही दिशा में रखने से काफी गहरा प्रभाव पड़ता है। अगर आप अखंड ज्योति रखने के लिए सबसे जरुरी है दिशा दक्षिण-पूर्वी मानी जाती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह अग्नि की दिशा है, इसलिए यहां ज्योत जलाने से घर के सदस्यों की सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। यदि आपके घर में ये दिशा नहीं पड़ रही है, तो ऐसे में आप पूर्व दिशा में भी रख सकते हैं। इससे आयु और आरोग्य में वृद्धि होती है।

अंखड ज्योति के लिए लौ किसकी बनाएं?

ज्यादातर लोगों को पता नहीं होता है कि अखंड ज्योति के लिए लौ किसकी बनाएं। ऐसे में लोग अखंड ज्योत के लिए रुई की बत्ती बनाते हैं, लेकिन आप ये बड़ी गलती कर रहे है, इसके लिए आपको लौ को कलावे से तैयार करके दीपक में नौ दिन के हिसाब से लगा दें, ताकि ये बार-बार बदलनी न पड़ें। कलावे की लौ वैसे भी माता रानी की पूजा के लिए शुभ मानी जाती है। फिर आप इसी से दीपक को जलाएं। इसके साथ ही इसके जलने का ध्यान रखें। ऐसा करने से आपके घर का वास्तु अच्छा रहेगा। इसके साथ ही जीवन की सारी परेशानियां कम हो जाएंगी।

अखंड ज्योति के क्या लाभ होते हैं?

वास्तु के अनुसार, विधिवत रुप से जलाई गई अखंड ज्योति घर के वास्तु दोषों को शांत करती है। इसके साथ ही यह घर के वातावरण से राहु-केतु के नकारात्मक प्रभाव को कम करती है और परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य बनाता है। जलती हुई ज्योति ज्ञान और प्रकाश का प्रतीक है, जो मानसिक तनाव को दूर करके मन को शांति प्रदान करती है।

टिप्स

सेहतमंद रखेगा प्रोटीन से भरपूर खानपान

स्वस्थ रहने के लिए हमारे भोजन में समुचित मात्रा में प्रोटीन और विटामिन बहुत जरूरी हैं। वजह ये है कि शरीर की कोशिकाओं के निर्माण, मरम्मत और रखरखाव के लिए प्रोटीन सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। प्रोटीन हमारी मांसपेशियों, हड्डियों, त्वचा, बालों और नाखूनों के विकास के साथ-साथ एंजाइमों, हार्मोन के संतुलन और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक है। साथ ही यह पेट को लंबे समय तक तृप्त रखकर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करती है।

प्रोटीन का महत्व और प्रमुख कार्य

प्रोटीन हमारे शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों का निर्माण करते हैं। यह नई सेल्स के निर्माण और पुरानी कोशिकाओं की मरम्मत के लिए आवश्यक है। प्रोटीन मांसपेशियों (मसल्स) और हड्डियों के विकास और उन्हें मजबूत रखने के लिए अपरिहार्य है। ये शरीर के लिए हार्मोन और एंजाइम का निर्माण करते हैं। प्रोटीन हमारे शरीर की बीमारियों से सुरक्षा की क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। यानी संक्रमण से फैलने वाली बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण प्रोटीन की भूमिका अहम है। एक और महत्वपूर्ण कार्य यह है कि लाल रक्त कोशिकाओं में मौजूद प्रोटीन शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का कार्य भी करती है। प्रोटीन हमारे बाल और त्वचा के स्वास्थ्य का रखरखाव करती है।

मुख्य स्रोत

प्रोटीन के शाकाहारी स्रोतों में दालें,बीन्स, सोयाबीन,छोले,राजमा,क्विनोआ,मेवे बीज और साबुत अनाज उत्कृष्ट माने जाते हैं। इनमें टोफू,दूध और दही शामिल हैं। जबकि मांसाहारी स्रोतों में अंडे का सफेद भाग, मछली आदि शामिल हैं। दरअसल डेयरी उत्पाद, अंडे व मछली आदि के सेवन से शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड प्राप्त होते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

जनहित से जुड़ी योजनाओं का क्रियान्वयन गुणवत्तापूर्ण करें : हेमंत सती

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ में नगर परिषद, साहेबगंज तथा नगर पंचायत राजमहल एवं बरहरवा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निकायों द्वारा संचालित विकासात्मक योजनाओं की प्रगति क्रियान्वयन की स्थिति और लंबित कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जनहित से जुड़ी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से स्वच्छता, पेयजल, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। साथ ही, योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं नियमित मॉनिटरिंग पर बल दिया गया।बैठक में नगर प्रशासक, नगर परिषद साहेबगंज अभिषेक कुमार सिंह, नगर प्रशासक, नगर पंचायत बड़हरवा दीपक कुमार, नगर प्रशासक, नगर पंचायत राजमहल दानिश हुसैन सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है : उपायुक्त

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग के स्थापना से संबंधित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के स्थापना से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए संसाधनों के समुचित उपयोग मानवबल की उपलब्धता और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम जनता को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।बैठक में सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान, जिले के सभी चिकित्सा पदाधिकारी व स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आपसी समझौता के बाद दर्ज प्राथमिकी को खत्म करने का निर्णय

साहिबगंज/बरहेट : विगत वर्ष मूर्ति विसर्जन के क्रम में बरहेट प्रखण्ड अंतर्गत करमटोला झबरी गांव के दो समुदायों के बीच हुए विवाद को लेकर पुलिस द्वारा करमटोला के ग्रामीणों पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी।ग्रामीणों पर हुए प्राथमिकी को खत्म किए जाने दिशा में बीडीओ सह सीओ अंशु कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में बरहेट थाना परिसर में दोनों समुदाय के लोगों के साथ स्थानीय नेताओं,समाजसेवियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की एक बैठक संपन्न हुई।जिसमें दोनों समुदाय के लोगों को आपस में समझौता कराया गया एवं ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो हेतु दोनों पक्षों को कड़ी चेतावनी दी गई।साथ ही आगामी रामनवमी को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने हेतु दोनों ही समुदाय से कुल 22 दोनों पक्षों से 11-11 लोगों की एक निगरानी समिति बनाई गई जो संयुक्त रूप से असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे एवं इसकी सूचना पुलिस को देंगे।शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने हेतु प्रसाशन द्वारा समिति के सभी सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा।बैठक में मुख्य रूप से बरहरवा अनुमंडल पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल,आरक्षी निरीक्षक नुनु देव रॉय,थाना प्रभारी पवन कुमार,झामुमो जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी,उप प्रमुख रूपक कुमार साह,झामुमो प्रखण्ड सचिव मुजीबुर्रहमान,समाजसेवी एजाज अंसारी,मजीतुल्ला अंसारी,रिजाउल रहमान,समेत अन्य मौजूद थे।

दानपात्रों को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा जानकारी दी गई कि बुधवार को बाबा मंदिर प्रांगण स्थित 18 दानपात्र को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया। साथ ही गिनती के पश्चात दानपात्र से कुल आय 32,14,245 के अलावा नेपाली नगद- 9280, डॉलर- 11, पाकिस्तानी करंसी 100, यूरो 20 दान स्वरूप प्राप्त हुआ। इससे अलावे मंदिर के दान पात्र को कड़ी सुरक्षा के बीच खोला गया। पात्र से निकले पैसे को गिनती के लिए मंदिर प्रशासनिक भवन में रखा गया।

राजमहल में बदली स्वास्थ्य व्यवस्था की तस्वीर पहली बार सुरक्षित सर्जरी प्रसव से जगी उम्मीद

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल : अनुमंडलीय अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर लंबे समय से उठ रही मांग अब धीरे-धीरे पूरी होती नजर आ रही है। क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास में जुटे थे, जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगा है। इसी कड़ी में बुधवार को अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में पहली बार सफलतापूर्वक सर्जरी के माध्यम से प्रसव कराया गया। उधवा प्रखंड के कटहलबाड़ी निवासी सबीना बीबी का ऑपरेशन कर सुरक्षित प्रसव कराया गया।जिसमें जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। इस सफल सर्जरी में महिला चिकित्सक डॉ. पिंकी प्रिया डॉ. किरणमाला, एनेस्थेटिस्ट डॉ. अलीमुद्दीन अंसारी ओटी असिस्टेंट अमृता मुर्मू और शांति टुडू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक ने बताया कि यह अस्पताल के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस तरह की सर्जरी लगातार की जाएगी

और ऑपरेशन थिएटर को और बेहतर बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है ताकि इसे मॉड्यूलर ओटी के रूप में विकसित किया जा सके।सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ. रामदेव पासवान के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार बेहतर कार्य कर रही है। जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है।

सकारात्मक सोच से ही बदलेगी व्यवस्था : विधायक

राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने कहा कि अस्पताल में पहले की तुलना में अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सर्जरी प्रसव यहां के लोगों के लिए एक सपना था।जो आज हकीकत में बदल गया है। उन्होंने आगे कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास जारी है। जिसमें मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री उपायुक्त सिविल सर्जन और अस्पताल प्रबंधन का सहयोग मिल रहा है। साथ ही कई महत्वपूर्ण रक्त जांच की सुविधा भी अब अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही है।स्थानीय लोगों ने इस पहल के लिए विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया है।

हिंदी कार्य प्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

संवाददाता

साहिबगंज : मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, श्री मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में तथा मालदा मंडल के राजभाषा विभाग के तत्वावधान में हिंदी साहित्य के प्रख्यात साहित्यकार भवानी प्रसाद मिश्र जी की जयंती का आयोजन। मुंगेर स्टेशन पर स्टेशन प्रबंधक श्री राजीव कुमार की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कर्मचारियों की सहभागिता रही।कार्यक्रम के प्रारंभ में वरिष्ठ अनुवादक विद्यासागर राम द्वारा उपस्थित थे।अतिथियों प्रति भागियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात भवानी प्रसाद मिश्र जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर समारोह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री राजीव कुमार द्वारा आमंत्रित वक्ताओं को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।आमंत्रित वक्ताओं में मुंगेर से पधारे श्री प्रमोद कुमार निराला, श्रीमती किरण शर्मा, श्री विजय

वर्तानिया, डॉ. अंजनी कुमार सुमन, सुश्री श्रेया सुमन, श्री नवीन छवि एवं श्री निवास कुमार पटना से विनय कुमार झा ह्यविमलह्न ने मिश्र जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही कवियों द्वारा उनकी रचनाओं की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई।वक्ताओं ने भवानी प्रसाद मिश्र जी को हिंदी साहित्य जगत के एक अद्वितीय साहित्यकार व संवेदनशील कवि के रूप में वर्णित करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं ने साहित्य को नई दिशा प्रदान की है। उनकी कृतियाँ केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति ही नहीं बल्कि सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम भी हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उनकी प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ गई है। मालदा मंडल द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम हिंदी के संवर्द्धन प्रोत्साहन आधिकारिक कार्य प्रणाली में इसके प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

भगवा ध्वज लेकर सनातन संस्कृति के प्रति अपनी आस्था और समर्पण का प्रदर्शन

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के नॉर्थ कॉलोनी स्थित माँ तारा मंदिर से राम महोत्सव कार्यक्रम को लेकर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई।इस शोभायात्रा में शहर के युवाओं के साथ-साथ संगठन से जुड़े कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे मार्ग में उत्साहपूर्ण भागीदारी दर्ज कराई।शोभायात्रा की शुरूआत माँ तारा मंदिर परिसर से हुई।जो शहीद चौक होते हुए गुरबाजार,गांधी चौक,बाटा रोड,पटेल चौक, स्टेशन चौक सहित शहर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरते हुए गंगा घाट तक पहुंची,जहां विधिवत गंगा आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।वही जगह-जगह लोगों ने जगह जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।इस कार्यक्रम का नेतृत्व बजरंग दल के जिला

संयोजक करण सिंह यादव,लाल बाबा और विश्व हिंदू परिषद के सदस्य ने किया।आयोजन के दौरान डीजे की धुन पर भगवा गीतों के बीच जय श्रीराम के नारों से पूरा शहर गूंज उठा।युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला,जो हाथों में भगवा ध्वज लेकर सनातन संस्कृति के प्रति अपनी आस्था और समर्पण का प्रदर्शन कर रहे थे।वहीं,शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के स्वरूप भी विशेष रूप से देखने को मिले,जो पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण बने रहे। इन जीवंत झांकियों को देखने के लिए रास्ते भर लोगों की भीड़ उमड़ती रही और श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए।शोभायात्रा में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता,एसआई प्रकाश रंजन समेत दर्जनों की संख्या में पुलिस बल तैनात रहे।पूरी यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन मुस्तैद नजर आया,ताकि किसी भी प्रकार का विवाद या अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो और कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

महाअष्टमी पूजा के लिए मंदिरों और पंडालों में उमड़ी भीड़

जमशेदपुर : शहर का कोना-कोना राममय में हो चुका है। चारो तरफ भगवान राम के जयकारे से माहौल गूंज रहा है। वहीं घरों और मंदिरों में शक्ति धात्री मां दुर्गा की आराधना हो रही है। गुरुवार को बासंती नवरात्र की महाष्टमी पूजा हुई। इस दौरान भक्तों ने श्रद्धापूर्वक मां गौरी की आराधना की। मंदिरों में भक्तों के आने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया था, भक्तों ने पुष्पांजलि देकर सुख समृद्धि की कामना की। पूजा अर्चना देर रात तक चलता रहा। रात साढ़े ग्यारह बजे के बाद निशा पूजा हुई। साकची शीतला मंदिर के पुजारी धनजी पांडेय ने बताया कि महा अष्टमी पर विधि विधान से माता गौरी की आराधना की गई इस मौके पर बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित हुए वही संध्या में महा आरती और रात्री निशा पूजा की गई। काली बड़ी में विधि विधान से संधी पूजा और अन्नपूर्णा पूजा की गई। पूजा अर्चना के लिए सुबह से भक्तों की भीड़ लगी रही है।

गहन ज्ञान अर्जित करें जिससे भविष्य में और अधिक प्रगति कर सकें : डॉ अनिल

संवाददाता

साहिबगंज : गणित विभाग में यूजी सेमेस्टर पांच के विद्यार्थियों का प्रोजेक्ट विवा-वोसे परीक्षा सफलता पूर्वक आयोजित की गई।यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष एवं हेड इंचार्ज, गणित विभाग, डॉ.अनिल कुमार के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।इस अवसर पर बाह्य परीक्षक के रूप में प्रो.पी.के.साह एवं डॉ.धीरेंद्र कुमार एस.आर.टी. कॉलेज धमरी से उपस्थित रहे।उन्होंने विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट का मूल्यांकन किया । उनके कार्यों की सराहना की।विद्यार्थियों ने गणित के विभिन्न विषयों जैसे वेक्टर एल्जेब्रा,त्रिकोणमिति,डायनेमिक्स, डिफरेंशियल इक्वेशन,ईजन वैल्यू,ईजन फैक्टर मैट्रिक्स आदि पर अपने-अपने शोध प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक अपने विषयों का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम के संचालन में प्रो अमितेश के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने अपने प्रोजेक्ट का सफलता पूर्वक समन्वयन किया।साहिबगंज कॉलेज साहिबगंज के लगभग आर्थलिश 48 स्टूडेंट्स और मॉडल कॉलेज राजमहल के लगभग छै स्टूडेंट्स ने विवा-वोसे एग्जाम मैं शिरकत की। अंत में, विभागाध्यक्ष डॉ.अनिल कुमार ने विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने-अपने विषयों में गहन ज्ञान अर्जित करें जिससे वे भविष्य में और अधिक प्रगति कर सकें।

सदर अस्पताल से चिकित्सक गायब, मरीजों ने किया हंगामा

संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बड़े सदर अस्पताल में इलाज कराने आये हड्डी रोग के कई मरीजों ने बुधवार को डॉक्टर नहीं रहने पर हंगामा किया है। दोपहर करीब 12:05 बजे की बात है। जब हड्डी रोग विशेषज्ञ अपने कक्ष से नदारद थे।डॉक्टर साहब करीब एक घंटा से अधिक समय तक ड्यूटी से नदारद थे।मरीजों का आरोप है कि हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ सचिन ओपीडी में नहीं था।जबकि वे लोग काफी देर से डॉ. सचिन का इंतजार कर रहे थे।इसके चलते मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़।मरीजों का आरोप है कि वे लोग दूर दराज से इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचे।लेकिन डाक्टर साहब नहीं मिलने पर मरीज आक्रोशित हो गए।हंगामा करना शुरू कर दिया। मरीजों का यह भी आरोप है।कि आए दिन ओपीडी में आए दिन समय पर डॉक्टर नहीं आते है।वही लालबथानी के मो.आलम, तालबन्ना के अमित प्रकाश,लोहंडा के वृद्ध महिला, बरतल्ला निवासी वृद्ध महिला,जैसे कई मरीजो ने बिना डॉक्टर को दिखाएं वापस बैरन लौट गए।इसके चलते मरीजों को काफी परेशानी हुई है। सीएस डॉ रामदेव पासवान ने बताया कि इस संबंध में जानकारी मिली है। इसे लेकर विभाग को लिखा जाएगा। जांच के बाद विभागीय कार्रवाई आवश्य की जाएगी।

राजमहल में स्वर्ण व्यवसायी से लूटपाट, गोलीबारी से क्षेत्र में दहशत

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम नकाबपोश अपराधियों ने एक स्वर्ण व्यवसायी से लूटपाट कर इलाके में दहशत फैला दी। घटना डेढ़गामा गांव के समीप मुख्य मार्ग पर उस समय हुई,जब तालझारी थाना क्षेत्र के मसकलैया निवासी गौतम स्वर्णकार अपनी मंगलहाट चौक स्थित दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। अपराधियों ने सुनसान सड़क का फायदा उठाकर व्यवसायी को रोका और देशी कट्टा के बट से हमला कर घायल कर दिया।इसके बाद उनके पास से करीब 80 हजार रुपये नगद,आधा किलो चांदी दो भरी सोने के आभूषण तथा बैंक पासबुक एटीएम कार्ड सहित अन्य दस्तावेज लूट लिए।वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने दो राउंड फायरिंग कर दहशत फैलाई और फरार हो गए।घायल व्यवसायी को स्थानीय लोगों ने राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया,जहां उनका इलाज किया गया।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जल्द मामले का उद्भेदन किया जाएगा।

खनन टास्क फोर्स की बैठक में अवैध खनन व परिवहन पर सख्ती के निर्देश

संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में बुधवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में खनन टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कई अहम निर्णय लिए गए।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने निर्देश दिया कि अवैध कोयला खनन प्रभावित क्षेत्रों में नियमित रूप से डोजरिंग की जाए तथा सुदूर एवं दुर्गम इलाकों में ड्रोन के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाए। विशेष रूप से शिकारीपाड़ा एवं गोपीकांदर प्रखंडों में सघन निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में जिन अवैध खदानों को डोजरिंग के माध्यम से ध्वस्त किया गया है, उन स्थलों की वर्तमान स्थिति का स्थल निरीक्षण कर फोटो सहित विस्तृत प्रतिवेदन समर्पित किया जाए। साथ ही अवैध खदानों

की पहचान कर नियमित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में जानकारी दी गयी कि जिले के सभी प्रखंडों में खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की नियमित जांच की जा रही है। 24 फरवरी 2026से 24 मार्च 2026 तक जिला खनन पदाधिकारी द्वारा कुल 90 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से 12 वाहनों से जुमार्ना वसूला गया तथा 2 मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गयी। वहीं जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा 78 वाहनों की जांच कर 19 वाहनों से जुमार्ना वसूला गया।उपायुक्त श्री सिन्हा ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि लीज क्षेत्र से बाहर किसी भी प्रकार का खनन करने वालों चिन्हित कर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने काठीकुंड, गोपीकांदर एवं रानेश्वर प्रखंडों में वाहन जांच और अधिक सघन करने का निर्देश दिया।बैठक में पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने कहा कि अवैध खनन एवं खनिज परिवहन पर नियंत्रण के लिए प्रतिदिन अधिक से अधिक वाहनों की जांच सुनिश्चित की जाए। बैठक में सभी अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी सहित सहित संबंधित विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीएलएमसी की बैठक संपन्न

देवघर : बुधवार को डीएलएमसी की बैठक व्यवहार न्यायालय देवघर के वी.सी सभागार में आयोजित की गई। जिसमें पीड़ित प्रतिकार, राष्ट्रीय लोक अदालत 09.05.2026, ट्रैफिक चालान के मामलों में वृद्धि तथा विधिक सेवा एवं सशक्तिकरण शिविर जिसका आयोजन 29.03.2026 को निर्धारित है इन सभी पर महत्वपूर्ण विचार विमर्श किया गया। जिसमें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कौशल किशोर झा के अध्यक्षता में, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा, पुलिस अधीक्षक सौरभ, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गवर्मेंट प्लीडर पब्लिक प्रोसिक्यूटर, जिला विधि शाखा पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य विभागों के पदाधिकारीगण इस बैठक में सम्मिलित हुए।

डबल हीरो पीरियड ड्रामा फिल्म है धनुष की 'वेलपारी'

साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों चर्चा है कि निर्देशक एस शंकर सा अपनी लंबे समय से अटकी ऐतिहासिक परियोजना 'वेलपारी' के लिए धनुष से संपर्क में हैं। हालांकि दोनों पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों का दावा है कि डेट्स और अवेलिबिलिटी को लेकर शुरुआती स्तर पर बातचीत संभव है।

दो हीरो वाले नैरेटिव में मेकर्स रचेंगे बड़ा कैनवास

'वेलपारी' को शंकर का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जा रहा है और इसे एक डुअल-हीरो पीरियड ड्रामा के रूप में डेवलप किया जा रहा है। इससे पहले रिपोर्ट्स में विक्रम और रणवीर सिंह के नाम प्रमुख पात्रों के लिए सामने आए थे, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी। अब चर्चा है कि शंकर ने धनुष की डेट्स के बारे में जानकारी ली है, जिससे अटकलें और तेज हो गई हैं। हाल ही में शंकर, धनुष की फिल्म 'डी55' के पूजा समारोह में शामिल हुए थे। 'DSS' को प्रोड्यूस कर रहे बैनर आर टेक स्टूडियोज, 'वेलपारी' को लेकर शंकर से बातचीत में हैं। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

'वीर युग नायकन वेलपारी' पर आधारित है कहानी

शंकर की यह फिल्म फेमस नॉवेल 'वीर युग नायकन वेलपारी' पर आधारित है, जिसे लेखक सु वेंकटेशन ने लिखा है। यह नॉवेल प्राचीन तमिल शासक वेलपारी के जीवन, शौर्य और अद्भुत दानवीरता का वर्णन करती है।

शंकर पहले भी सार्वजनिक मंचों पर नॉवेल के प्रति अपनी गहरी इच्छा जता चुके हैं और इसे 'गेम ऑफ थ्रोन्स' और 'अवतार' जैसे भव्य स्तर पर बनाने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। दूसरी ओर, धनुष हाल ही में 'तेरे इश्क में' में नजर आए थे और अब 'कारा' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उनकी आगामी फिल्मों में 'डी55', 'डी56' और 'कलाम: द मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' शामिल हैं। ऐसे में अगर 'वेलपारी' पर मुहर लगती है तो यह तमिल सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक हो सकती है।

थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता

गुड़ी पड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार नए साल के स्वागत का प्रतीक है और नई उम्मीदें लेकर आता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन की खुशियों का हिस्सा बनता है। इस कड़ी में अभिनेत्री स्नेहलता वसईकर ने बातचीत में गुड़ी पड़वा के महत्व और अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह त्योहार उनके दिल के बहुत करीब है। बचपन में सुबह जल्दी उठकर गुड़ी लगाने की परंपरा, पारिवारिक मिलन और त्योहार की तैयारियां उनकी सबसे प्यारी यादें हैं।

स्नेहलता ने कहा, ''गुड़ी पड़वा मुझे नए साल की नई उम्मीदें देता है। इस साल मेरे लिए गुड़ी पड़वा और भी खास है, क्योंकि यह पेशेवर रूप से मेरे लिए एक नया चरण लेकर आया है। मैं जल्द ही थ्रिलर शो 'वशीकरणम' में मुख्य किरदार सुमन के रूप में नजर आने वाली हूं। यह किरदार मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है।'' स्नेहलता ने कहा, ''गुड़ी पड़वा की तरह हर नई शुरुआत जीवन में सकारात्मक बदलाव और नए अवसर लेकर आती है। इस उत्सव का संदेश सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि आशा और नए अनुभवों को अपनाने का भी है। यही सोच मैं अपने पेशेवर जीवन में भी लागू कर रही हूं। 'वशीकरणम' मेरे लिए सिर्फ एक नया शो नहीं है, बल्कि एक नए दौर की शुरुआत है, जिसे मैं उत्साह और समर्पण के साथ निभा रही हूं।'' स्नेहलता ने आगे कहा, ''थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता। इस तरह के शो में अभिनय करते समय भावनाओं और एक्सप्रेशन पर मजबूत पकड़ होना बेहद जरूरी है। हर सीन को खास बनाने के लिए अभिनेता को पूरी तरह उस पल में डूबना पड़ता है। इस तरह के अनुभव से अभिनय में गहराई आती है और दर्शकों के लिए किरदार ज्यादा विश्वसनीय बनता है।''

स्नेहलता वसईकर मराठी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई क्षेत्रीय फिल्मों और शो में काम किया है और अपने अभिनय की वजह से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। उनके लिए 'वशीकरणम' शो टीवी में डेब्यू प्रोजेक्ट है।

वेब सीरीज 'सपने vs एवरीवन' में नजर आएंगी खुशाली कुमार

फिल्म 'घुड़चढ़ी' में रवीना टंडन और संजय दत्त के साथ अभिनय कर चुकीं खुशाली कुमार अब फिल्मों के बाद जल्द ही ओटीटी पर अपना डेब्यू करने वाली हैं। यह सीरीज का दूसरा भाग होगा, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगा। फैशन और म्यूजिक वीडियो से शुरुआत करने वाली खुशाली अब फिल्मों और वेब सीरीज पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। खुशाली कुमार वेब सीरीज 'सपने vs एवरीवन' के सीजन 2 में नजर आएंगी। इस सीरीज में खुशाली 'तृप्ती' नाम की लड़की की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज को लेकर खुशाली काफी उत्साहित हैं। हाल ही में मुंबई में एक इवेंट में खुशाली ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सपने सच होने जैसा लग रहा है। पहली बार ओटीटी पर काम करना उनके लिए बहुत खास और भावुक अनुभव है।

खुशाली कुमार कई फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। उन्हें आखिरी बार संजय दत्त और रवीना टंडन की फिल्म 'घुड़चढ़ी' में देखा गया था। इसके अलावा वह 'धोखा: राउंड डी कॉर्नर', 'स्टारफिश',, 'डेढ़ बीघा जमीन' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने टी-सीरीज के कई लोकप्रिय संगीत वीडियो जैसे 'मैनु इश्क दा', 'हाईवे स्टार', और 'रात कमाल है' में भी काम किया है।

'धुरंधर 2' की आड़ में रामगोपाल वर्मा ने नामी एक्टर्स पर साधा निशाना

गुरुवार को फिल्म 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों रिलीज हुई, इसने पहले दिन ही 100 करोड़ क्लब में एंट्री मार ली। ऐसा करने वाली यह पहली भारतीय फिल्म है। रणवीर सिंह के करियर की भी यह सबसे बड़ी हिट बन गई है। फिल्म को आदित्य धर ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को देखकर डायरेक्टर रामगोपाल वर्मा गदगद हैं। साथ ही वह बॉलीवुड के बाकी फिल्ममेकर्स और एक्टर को भी एक चेता रहे हैं। एक ट्वीट करते हुए पहले रामगोपाल वर्मा ने भारतीय सिनेमा के फिल्ममेकर्स को निशाने पर लिया। वह अपने ट्वीट में लिखते हैं, 'धुरंधर 2 उन सभी फिल्म निर्माताओं के लिए एक डरावनी फिल्म है जिन्होंने घटिया सिनेमा पर अपना करियर और दौलत बनाई। वो सिनेमा जो शोर-शराबे और मसाले से भरा हुआ, हमारे गले में जबरदस्ती उतारा गया था, अब जल्द ही वेंटिलेटर पर सांस लेने के लिए संघर्ष करता हुआ नजर आएगा।'

आगे ट्वीट में रामगोपाल वर्मा ने बिना नाम लिए बड़े एक्टर्स को भी लताड़ा है। वह ट्वीट में लिखते हैं, ' फिल्म 'धुरंधर 2' उन सभी फिल्म निर्माताओं को बुरी तरह डरा देगी जो आज भी स्टार्स को भगवान की तरह पूजते हैं। रणवीर सिंह की इस फिल्म ने उन सभी हीरोज को मार डाला है जो कभी खून नहीं बहाते, कभी दर्द महसूस नहीं करते हैं।' डायरेक्टर ने बॉलीवुड के उन हीरो को सर्कस का जोकर तक कह दिया है। रामगोपाल वर्मा ने अपने ट्वीट में कई और बातें कही हैं। लेकिन आखिरी में वह 'धुरंधर 2' के डायरेक्टर आदित्य धर को जमकर सराहते हैं। वह ट्वीट में लिखते हैं, 'फिल्म 'धुरंधर 2' सिर्फ एक मूवी नहीं है। यह एक फैसला है। आदित्य धर ने उस तरह के सिनेमा का सिर काट दिया है, जिसने दर्शकों की समझ का अपमान किया है। जिसने कहानियों की जगह भड़कीले और दिखावटी विजुअल्स को दिखाया, जिसने हीरो को भगवान और दर्शकों को भेड़ बना दिया।

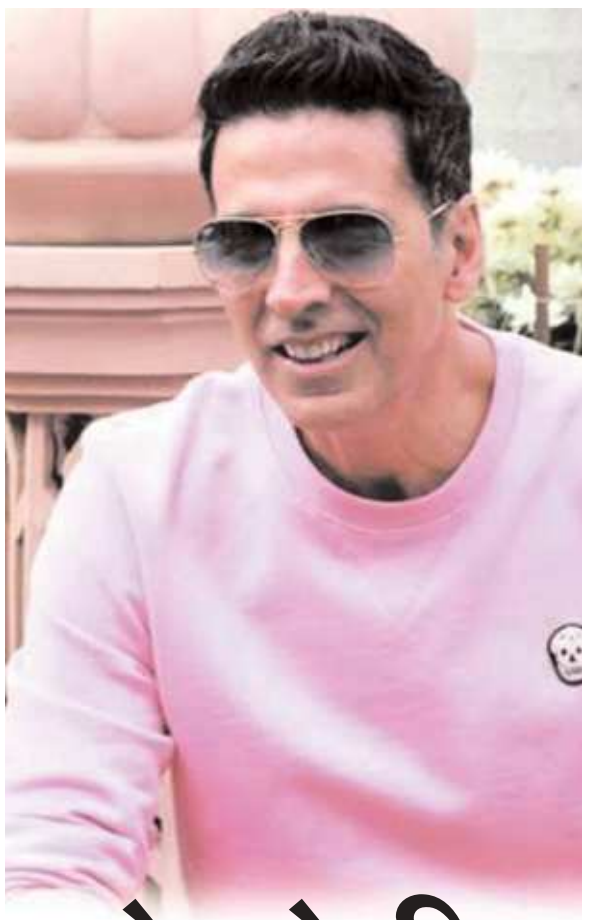

इमेज के लिए नहीं करता देशभक्ति फिल्में

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार ने अपनी कनाडाई नागरिकता पर खुलकर बात की है। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में अक्षय ने बताया कि उन्होंने कनाडा शिफ्ट होने का फैसला तब लिया था, जब उनकी बैक-टू-बैक 16-17 फिल्में फ्लॉप हो गई थीं। अक्षय ने साफ किया कि वह देशभक्ति वाली फिल्में अपनी कोई खास इमेज बनाने के लिए नहीं करते हैं, बल्कि इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें वह विषय सही लगते हैं।

लगातार फिल्में फ्लॉप हुईं तो लिया था फैसला

अक्षय कुमार ने बताया कि उनके करियर में एक ऐसा दौर आया था जब उनकी 16-17 फिल्में लगातार फ्लॉप हो गई थीं। अक्षय के मुताबिक, मेरे पास काम तो था लेकिन सिर्फ 3-4 फिल्में बची थीं। उस वक्त मुझे लगा कि अब कुछ और करना चाहिए। मुझे कनाडा में काम मिल रहा था, तो मैंने वहां जाकर छोटा सा बिजनेस करने का प्लान बनाया था। इसी दौरान अक्षय ने कनाडा की नागरिकता ली और उन्हें वहां का पासपोर्ट मिल गया। अक्षय ने कहा की कमाल की बात यह रही कि मेरी जो 3 फिल्में रिलीज होने वाली थीं, वो तीनों ही हिट हो गईं। मुझे फिर से भारत में काम मिलने लग गया। मैंने अपने दोस्त से कह दिया कि मैं अब नहीं आ रहा हूं और भारत में ही रहूंगा। उस बीच मैं पासपोर्ट वाली बात भूल गया। मेरे लिए वह सिर्फ एक ट्रैवल डॉक्यूमेंट था।

इमेज बनाने के लिए नहीं करता देशभक्ति फिल्में

जब अक्षय से पूछा गया कि क्या 'केसरी' जैसी फिल्में उन्होंने नेशनलिस्ट हीरो की इमेज बनाने के लिए कीं? इस पर उन्होंने कहा, मैं जो भी काम करता हूं, अपनी इमेज बनाने के लिए नहीं करता। मैं बहुत काम करता हूं, लेकिन देशभक्त की इमेज बनाने के लिए नहीं। मैं वो काम करता हूं जो मुझे अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि मैं ट्रोलिंग से बचने के लिए ऐसी फिल्में करता हूं, जबकि ऐसा नहीं है।

भारत में सबसे ज्यादा टैक्स भरा, फिर भी लोग बोलते हैं

ट्रोलिंग पर दुख जताते हुए अक्षय ने कहा, लोग मुझे कैनेडियन-कैनेडियन कहने लगे, तो मैंने पासपोर्ट ही बदल लिया। मुझे समझ नहीं आता कि लोग इतना क्यों बोलना चाहते हैं? वह सिर्फ एक पासपोर्ट था, जबकि मैं टैक्स भारत में भरता हूं। जब मैं कैनेडियन था, तब भी मैंने भारत में सबसे ज्यादा टैक्स भरा। मैंने कनाडा में कभी टैक्स नहीं भरा, लेकिन इसकी कोई बात नहीं करता।

2023 में मिली भारत की नागरिकता

अक्षय कुमार के पास लंबे समय तक कनाडा की नागरिकता रही, जिसके कारण उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जाता था। साल 2023 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अक्षय ने जानकारी दी थी कि उन्हें अब भारतीय नागरिकता और पासपोर्ट मिल गया है। इससे पहले वे कनाडाई नागरिक होने के कारण भारत में वोट भी नहीं डाल पाते थे।

मियामी ओपन 2026: सबालेंका और राइबाकिना के बीच सेमीफाइनल में होगी टक्कर

एजेंसी

मियामी : मियामी में खेले जा रहे प्रतिष्ठित मियामी ओपन 2026 में महिला एकल वर्ग में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका और दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी एलेना राइबाकिना के बीच एक और हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने अमेरिका की हैली बैपटिस्ट को 6-4, 6-4 से हराया। वहीं राइबाकिना ने पांचवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 2-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। पेगुला पिछले साल इसी टूर्नामेंट में सबालेंका से फाइनल हार चुकी थीं। दोनों स्टार खिलाड़ी गुरुवार रात हार्ड रॉक स्टेडियम में फाइनल

में जगह बनाने के लिए आमने-सामने होंगी। सबालेंका और राइबाकिना के बीच हाल के मुकाबले बेहद रोमांचक रहे हैं। इस साल जनवरी में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में राइबाकिना ने सबालेंका को हराया था, जो 2026 में सबालेंका की एकमात्र हार रही। हालांकि, सबालेंका ने इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में जीत दर्ज कर उसका बदला चुका लिया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि राइबाकिना के खिलाफ मुकाबले हमेशा कड़े और रोमांचक होते हैं और वह इस भिड़ंत को लेकर काफी उत्साहित हैं। सबालेंका अब ह्लसनशाइन डबलह्व (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन जीतने) से सिर्फ दो जीत दूर हैं। क्वार्टरफाइनल में सबालेंका को बैपटिस्ट से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन अहम मौकों पर उन्होंने दबाव संभालते हुए जीत दर्ज की। दूसरी ओर, राइबाकिना ने पेगुला के खिलाफ खराब शुरूआत के बाद शानदार वापसी की। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लय पकड़ी और लगातार पांचवीं बार पेगुला को हराया।

पुरुष वर्ग में लेहेका की जीत

पुरुष एकल वर्ग में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका ने स्पेन के क्वालीफायर मार्टिन लैंडालुसे को 7-6(7/1), 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। लेहेका को यह जीत आसान नहीं रही, क्योंकि लैंडालुसे ने पहले सेट में सभी ब्रेक प्वाइंट बचाए। हालांकि, टाईब्रेक में लेहेका ने दबदबा बनाया और दूसरे सेट के अंतिम गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने नाम किया।

अब लेहेका का मुकाबला अमेरिका के टॉमी पॉल और फ्रांस के आर्थर फिल्स के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

यूईएफए महिला चैंपियंस लीग: एल क्लासिको में बार्सिलोना का दबदबा, रियल मैड्रिड को 6-2 से हराया

एजेंसी

मैड्रिड : यूईएफए महिला चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल के पहले चरण में बार्सिलोना महिला फुटबॉल टीम ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड महिला फुटबॉल टीम को 6-2 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है। यह मुकाबला प्रतिष्ठित ह्यएल क्लासिकोह्व के रूप में खेला गया, जिसमें बार्सिलोना का पूरी तरह दबदबा देखने को मिला।

मैड्रिड में खेले गए इस मुकाबले में ईवा पाजोर ने दो गोल दागे, जबकि एज्मी ब्रुग्ट्स, आइरीन परेडेस, विकी लोपेज और एलेक्सिया पुटेलास ने एक-एक गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रियल मैड्रिड की ओर से लिंडा कैइसेडो ने दोनों गोल किए, लेकिन वह

टीम को हार से नहीं बचा सकीं।

बार्सिलोना ने मैच की शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले हाफ में 2-0 की बढ़त बना ली। हालांकि 30वें मिनट में कैइसेडो ने गोल कर रियल को मैच में वापसी दिलाने की कोशिश की। इसके बाद बार्सिलोना ने लगातार गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया और मैच पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया। दूसरे हाफ में कैइसेडो ने एक और गोल कर अंतर कम किया, लेकिन अंत में पुटेलास ने 89वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 6-2 कर दिया। तीन बार की चैंपियन बार्सिलोना लगातार आठवीं बार सेमीफाइनल में पहुंचने के बेहद करीब है। टीम पिछले पांच सीजन से फाइनल तक पहुंचती रही है, हालांकि पिछले साल उसे खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। अब रियल मैड्रिड को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अगले हफ्ते बार्सिलोना में होने वाले दूसरे चरण में बड़ी वापसी करनी होगी, जो आसान नहीं दिख रहा है।

आंध्र प्रदेश में भीषण सड़क हादसा- 10 यात्रियों की जलकर मौत, 20 से ज्यादा घायल

एजेंसी

हैदराबाद : आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार टिप्पर (ट्रक) और निजी बस के बीच हुई जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे 10 यात्रियों की मौके पर ही जलकर मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना सुबह 6:00 से 6:30 बजे के बीच रायावरम गांव के पास हुई। 'हरिकृष्णा ट्रेवल्स' की यह निजी बस तेलंगाना के निर्मल से आंध्र प्रदेश के नेल्लोर की ओर जा रही थी। मार्कपुरम के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब बस एक मोड़ ले रही थी। तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार टिप्पर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों ने तुरंत आग पकड़ ली, जिससे यात्रियों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। अब तक 10 यात्रियों के जिंदा जलने की पुष्टि हुई है। मृतकों की संख्या

बढ़ने की आशंका है। लगभग 20 घायल यात्रियों को मार्कपुरम के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। हादसे के वक्त बस में करीब 40 यात्री सवार थे। बस के अगले हिस्से में बैठे लगभग 10 यात्री किसी तरह जान बचाकर निकलने में सफल रहे, लेकिन पिछले हिस्से में बैठे लोग आग की लपटों में फंस गए।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने घायलों को बेहतर चिकित्सा सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय विधायक कंदुला नारायण रेड्डी ने भी घटनास्थल का दौरा कर राहत कार्यों की समीक्षा की। पुलिस अभी भी मृतकों की पहचान करने और दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच करने में जुटी है।

यात्रियों से भरी बस में लगी आग,कूदकर सभी ने बचाई जान

रायबरेली : उत्तर प्रदेश के रायबरेली में यात्रियों से भरी बस में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि सभी यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते बस जलकर खाक हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रायबरेली-प्रतापगढ़ राजमार्ग पर बुधवार देर रात अंसार बस सर्विस की एक बस यात्रियों को लेकर रायबरेली से सलोन जा रही थी। बस में करीब 28 लोग सवार थे। अचानक रायपुर महेरी गांव के पास बस धू-धू करके जलने लगी और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई। बस आग का गोला बन गई थी। बस में आग

लगने से उसमें सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। यात्रियों ने नीचे कूदकर जान बचाई। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों और पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक बस जलकर खाक हो चुकी थी। भदोखर थाना अध्यक्ष राकेश चंद्रा के अनुसार सभी यात्री सुरक्षित हैं,जांच की जा रही है।

समृद्धि यात्रा: नालंदा और पटना में करोड़ों रुपए की योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे मुख्यमंत्री

एजेंसी

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज (गुरूवार) समृद्धि यात्रा के क्रम में नालंदा एवं पटना जिलों का दौरा करेंगे, जहां वे कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन तथा समीक्षा करेंगे। नालंदा जिले में मुख्यमंत्री 494 करोड़ रुपये की लागत से 106 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे, जबकि 316 करोड़ रुपये की लागत से 110 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही जिले में संचालित विभिन्न विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर जनसंवाद कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। वहीं पटना जिले में मुख्यमंत्री 583 करोड़ रुपये की लागत से 612 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे तथा 473 करोड़ रुपये की लागत से 761 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। यहां भी वे जिलांतर्गत क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा कर आमजन से सीधा संवाद स्थापित करेंगे।

महाराष्ट्र के विद्यार्थी करेंगे अमेरिका के नासा का दौरा

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के मकसद से अहम निर्णय लिया है। राज्य के 51 मेधावी छात्रों को अमेरिका के नासा के शैक्षणिक दौरे पर भेजने का निर्णय लिया गया है। इस पहल के लिए 3.30 करोड़ रुपये का खर्च मंजूर किया गया है। सरकार का कहना है कि इस योजना से छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी और उन्हें भविष्य में अनुसंधान के क्षेत्र में करियर बनाने की प्रेरणा मिलेगी। ह्यमुख्यमंत्री विद्यार्थी विज्ञान वारीह्ल योजना के तहत 51 मेधावी छात्रों को नासा के शैक्षणिक दौरे पर भेजने का फैसला लिया है। यह मौका उन मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगा, जिन्होंने राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। योजना को तहसील, जिला और राज्य स्तर पर लागू किया जाएगा। तहसील स्तर पर छात्रों को स्थानीय विज्ञान केंद्रों का भ्रमण कराया जाएगा। जिला स्तर पर करीब 180 विद्यार्थियों और शिक्षकों को इजरो, बेंगलुरु की यात्रा भेजा जाएगा। राज्य स्तर पर चयनित 51 छात्रों को नासा दौरे के लिए चयनित किया जाएगा। जहां वे अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान से जुड़ी आधुनिक तकनीक का प्रत्यक्ष अनुभव ले सकेंगे।

चुनाव 26: असम में नाम वापसी का आज आखिरी दिन, साफ होगी उम्मीदवारों की तस्वीर

एजेंसी

गुवाहाटी : असम विधानसभा के चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नाम वापसी का आज अंतिम दिन है। 126 विधानसभा सीटों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 23 मार्च को समाप्त हो गई थी। नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो गई है। गुरूवार (26 मार्च) को नामांकन पत्र वापस लेने का दिन निर्धारित किया गया है। इसके अनुसार आज शाम 3:00 बजे तक चुनाव न लड़ने वाले उम्मीदवार अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। इसके बाद प्रत्येक विधानसभा में चुनावों लड़ने वालों की आखिरी तस्वीर साफ हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि 126 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 815 उम्मीदवारों ने 1,389 नामांकन पत्र दाखिल किए। जांच के बाद 789 उम्मीदवारों के नामांकन को वैध घोषित किया गया है, जो आगामी असम

विधानसभा के सामान्य चुनाव, 2026 में प्रतिस्पर्धा करेंगे। ज्ञात हो कि 23 मार्च को नामांकन पत्र जमा करने की समय सीमा समाप्त होने के बाद नामांकन पत्रों की जांच 24 मार्च मंगलवार को की गई । हालांकि 24 नं॰ बरपेटा (अनुसूचित जाति) और 65 नं॰ ढेकियाजुली विधानसभा क्षेत्र के नामांकन पत्रों की जांच अगले दिन 25 मार्च को दिन के 11:00 बजे तक स्थगित रखी गई थी। इन दोनों क्षेत्रों के नामांकन पत्रों की जांच पहले ही पूरी की जा चुकी है। 65 नंबर ढेकियाजुली विधानसभा क्षेत्र में दाखिल किए गए 10 नामांकन पत्रों में सभी को वैध घोषित किया गया है। वहीं, 24 नंबर बरपेटा (अनुसूचित जाति) विधानसभा क्षेत्र में एक नामांकन पत्र रद्द किया गया है और 3 को वैध माना गया है। उल्लेखनीय है कि 15 मार्च को निर्वाचन आयोग ने असम विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा की थी। इसी क्रम में 16 मार्च को चुनाव का अधिसूचना जारी की गई थी। अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 मार्च थी, नामांकन पत्रों की जांच 24 मार्च को की गई और प्रत्याशी के नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 26 मार्च निर्धारित की गई थी। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 09 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा, जबकि मतगणना 04 मई को होगी और चुनाव प्रक्रिया 06 मई, 2026 से पहले पूरी की जाएगी।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह आज रायसेन में कृषि मेला तैयारियों का करेंगे निरीक्षण

एजेंसी

भोपाल : केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज गुरुवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे यहां आगामी 11 अप्रैल से आयोजित तीन दिवसीय कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी अनुभा सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा राज्य शासन के समन्वय से रायसेन में आगामी 11 अप्रैल से 13 अप्रैल 2026 तक कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

का आयोजन किया जा रहा है। केन्द्रीय कृषि चौहान आज रायसेन प्रवास के दौरान कार्यक्रम स्थल का भ्रमण करेंगे और तैयारियों की जानकारी लेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, केन्द्रीय मंत्री चौहान प्रातः 11 बजे भोपाल से प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे रायसेन पहुचेंगे तथा यहां राम मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके उपरांत वे दोपहर 12.15 बजे दशहरा मैदान पहुचेंगे तथा कृषि मेला तैयारी का निरीक्षण एवं भूमिपूजन करेंगे। केन्द्रीय मंत्री चौहान दोपहर 12.45 बजे अधिकारियों के साथ बैठक लेंगे तथा दोपहर 01.15 बजे कृषि मेले के संबंध में पत्रकारों से वार्ता करेंगे। इसके पश्चात केन्द्रीय मंत्री दोपहर 01.45 बजे रायसेन से विदिशा के लिए प्रस्थान करेंगे।

मप्र: मुख्यमंत्री आज छिंदवाड़ा और पांढुर्णा को देंगे करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज गुरुवार को छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिले को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री इन दोनों जिलों में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी नीलू सोनी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव पुलिस ग्राउंड, छिंदवाड़ा में जनसभा को संबोधित करेंगे। वे इस मौके पर 506.29 करोड़ की लागत के 105 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर जिले को विकास की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में प्रदेश के संबल और पेंशन योजना के हितग्राहियों को आर्थिक सहायता राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण भी करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव चौरई के सिहोरा माल में आयोजित

सहस्त्र कुंडीय यज्ञ में शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव नये जिले पांढुर्णा में 362.80 करोड़ रुपये लागत के 67 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे। यह पहल जिले के समग्र विकास को नई गति प्रदान करते हुए आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाएगी। मुख्यमंत्री यहां 34 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे, जिनकी कुल लागत 111.63 करोड़ रुपये है। इन कार्यों से विभिन्न विभागों की अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी और आमजन को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,591.90 अंक

के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 167.93 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,929.83 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 46,364.59 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 141.68 यानी 1.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,106.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 102.63 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,846.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 320.17 अंक यानी 1.39 प्रतिशत उछल कर 22,957.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

ईरान द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति प्रस्ताव को खारिज कर देने और अपनी शर्तों पर ही जंग को खत्म करने का ऐलान करने के कारण एशियाई बाजार में आज दबाव का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,913.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.10 प्रतिशत उछल कर 33,471.11 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 110 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,168 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है इसी तरह निक्केई इंडेक्स 163.62 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 53,586 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 172.70 अंक यानी 3.06 प्रतिशत टूट कर 5,469.51 अंक के स्तर तक आ गया है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 377.95 अंक यानी 1.49 प्रतिशत फिसल कर 24,958 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,442.16 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,242.14 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.57 प्रतिशत लुढ़क कर 3,909.41 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

मेघालय में एलपीजी संकट से होटल-रेस्तरां सेवाएं प्रभावित, पर्यटन क्षेत्र पर असर

शिलांग : मेघालय में व्यावसायिक एलपीजी की कमी का असर अब पर्यटन आधारित आतिथ्य क्षेत्र पर साफ तौर पर दिखने लगा है। राज्य के कई होटल और रेस्तरां ने अपनी सेवाएं सीमित कर दी हैं तथा मेन्यू में कटौती करनी पड़ रही है। अधिकारियों द्वारा गुरुवार को दी गई जानकारी के अनुसार उपलब्ध एलपीजी आपूर्ति को फिलहाल अस्पतालों और छात्रावासों जैसी आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए भेजा जा रहा है, जिसके कारण होटल उद्योग में ईंधन की कमी बनी हुई है। इससे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर संचालन प्रभावित हो रहा है। शिलांग और चेरापूंजी जैसे इलाकों में होटल व रिसॉर्ट संचालकों ने बताया कि उन्हें अपने किचन संचालन को सीमित करना पड़ रहा है और वैकल्पिक तरीकों से खाना बनाना पड़ रहा है। कई जगहों पर लकड़ी और कोयले का उपयोग शुरू कर दिया गया है, जिससे भोजन तैयार होने में अधिक समय लग रहा है और व्यंजनों की संख्या भी कम हो गई है। रेस्तरां पारंपरिक धीमी आंच पर खाना बनाने की प्रक्रिया अपना रहे हैं और मेहमानों से सीमित स्थानीय भोजन व अधिक प्रतीक्षा समय को लेकर सहयोग करने की अपील की है। उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि ईंधन की कमी से नियमित किचन संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कई प्रतिष्ठान पूरा मेन्यू उपलब्ध कराने में असमर्थ हैं। वहीं, अधिकारियों ने दोहराया कि आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देना जरूरी है और आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु करने के प्रयास जारी हैं।

नगरपालिका चुनाव 2026: एसकेएम उम्मीदवार आज नामांकन दाखिल करेंगे

गंगटोक : सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांति मोर्चा (एसकेएम) पार्टी के सभी उम्मीदवार आगामी नगरपालिका चुनाव 2026 के लिए आज नामांकन दाखिल करने जा रहे हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि राज्य के सभी छह जिलों के अंतर्गत आने वाले नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए आज नामांकन दाखिल किया जाएगा। सिक्किम राज्य चुनाव आयोग ने 23 मार्च को प्रदेश में नगर पालिका चुनाव 2026 की घोषणा की थी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 मार्च निर्धारित की गई है। राज्य के सभी नौ शहरी स्थानीय निकायों में मतदान 24 अप्रैल को होगा और मतगणना 25 अप्रैल को होगी। नगर पालिका चुनावों की घोषणा के साथ ही एसकेएम पार्टी ने नगर निगम और नगर परिषद सहित सभी नगर पंचायतों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। एसकेएम के उम्मीदवार आज सुबह 10 बजे से सभी शहरी स्थानीय निकायों के लिए नामांकन दाखिल करना शुरू करेंगे। सिक्किम में नगर पालिका चुनाव में कुल मतदाताओं की संख्या 93 हजार 697 है। सभी 9 शहरी स्थानीय निकायों के 63 वार्डों में मतदान होगा, जिनके लिए 121 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। पिछले नगर पालिका चुनाव की तुलना में इस बार वार्डों में 23 प्रतिशत, मतदान केंद्रों में 36 प्रतिशत और जिलों में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस प्रकार मतदाताओं की संख्या में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दूसरी ओर, राज्य में किसी भी विपक्षी दल ने अभी तक अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की है।

आनंद शंकर की पुण्यतिथि पर ममता बनर्जी ने दी श्रद्धांजलि

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को महान संगीतकार और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के वैश्विक दूत आनंद शंकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वह महान संगीतकार आनंद शंकर को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रही हैं, जिन्होंने भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ममता बनर्जी ने अपने संदेश में आनंद शंकर को भारतीय सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधि बताते हुए उनके योगदान को सराहा और कहा कि उनका संगीत आज भी लोगों को प्रेरित करता है।

चुनाव 26 : हुगली की उत्तरपाड़ा सीट के सियासी संतुलन में परिवर्तन, मुकाबला करीबी रहने के आसार

हुगली : हुगली जिले की उत्तरपाड़ा विधानसभा सीट, जहां 2026 का चुनाव महज एक सीट की लड़ाई नहीं, बल्कि बदलते जनादेश और रणनीतिक पुनसंर्तुलन की परीक्षा बनता जा रहा है। इस सीट पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शीर्षण्य बंदोपाध्याय, माकपा ने मीनाक्षी मुखोपाध्याय और भाजपा ने दीपांजन चक्रवर्ती को मैदान में उतारकर मुकाबले को पूरी तरह त्रिकोणीय बना दिया है। इस सीट का चुनावी इतिहास उतार-चढ़ाव और राजनीतिक ध्रुवीकरण की स्पष्ट कहानी पेश करता है। 2016 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को लगभग 45 प्रतिशत वोट शेयर मिला था, जबकि कांग्रेस-वाम गठबंधन को करीब 39 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे। भाजपा उस समय लगभग 13 प्रतिशत वोट पर सिमटी रही। इस चुनाव में टीएमसी ने करीब 9 प्रतिशत वोट अंतर से जीत दर्ज की थी, जो यह दशार्ता है कि मुकाबला करीबी और सीधा था। उस दौर में उत्तरपाड़ा की राजनीति मुख्यतः टीएमसी बनाम वाम-कांग्रेस के बीच केंद्रित थी, जबकि भाजपा तीसरे स्थान पर सीमित प्रभाव के साथ मौजूद थी। 2021 के चुनाव में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए। टीएमसी ने अपना वोट शेयर बढ़ाकर लगभग 47 प्रतिशत कर लिया, जबकि भाजपा ने जबरदस्त उछाल लेते हुए लगभग 29 प्रतिशत वोट हासिल किए। इसके विपरीत माकपा का वोट शेयर घटकर करीब 16 प्रतिशत रह गया। इस बार टीएमसी ने भाजपा को लगभग 17 प्रतिशत वोट अंतर से हराया, जो 2016 की तुलना में कहीं अधिक निर्णायक जीत थी। यह बदलाव इस बात का संकेत था कि भाजपा ने वाम के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाकर खुद को मुख्य चुनौतीकर्ता के रूप में स्थापित कर लिया।

अब 2026 में यही प्रतिशत नई राजनीतिक कहानी लिखने की जमीन तैयार कर रहे हैं। टीएमसी लगभग 47 प्रतिशत के स्थिर वोट आधार के साथ बढ़त बनाए रखने की कोशिश में है। भाजपा का लक्ष्य अपने 29 प्रतिशत वोट शेयर को बढ़ाकर 40 प्रतिशत के करीब ले जाना है, ताकि मुकाबला सीधा और टक्कर का बनाया जा सके। वहीं माकपा, जो 2016 में करीब 39 प्रतिशत पर थी और 2021 में 16 प्रतिशत पर सिमट गई, अब मीनाक्षी मुखोपाध्याय के जरिए अपने वोट शेयर को फिर से 20-25 प्रतिशत तक ले जाने की रणनीति पर काम कर रही है। उम्मीदवारों की प्रोफाइल इस प्रतिशत के खेल को और दिलचस्प बनाती है। टीएमसी के शीर्षण्य बंद्योपाध्याय, श्रीरामपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद कल्याण बनर्जी के पुत्र हैं और पेशे से अधिवक्ता हैं। उन्हें संगठन का अनुभवी और जमीनी नेता माना जाता है, जिनकी पकड़ बूथ स्तर तक मजबूत है। माकपा की मीनाक्षी मुखोपाध्याय एक आक्रामक, युवा और आंदोलनकारी चेहरा हैं, जो खासकर युवाओं और पारंपरिक वाम समर्थकों को फिर से सक्रिय करने की क्षमता रखती हैं। भाजपा के दीपांजन चक्रवर्ती पूर्व एनएसजी कमांडो रहे हैं और शहरी व मध्यम वर्गीय मतदाताओं के बीच पैठ बनाने में जुटे हैं; उनके सामने चुनौती पार्टी के बढ़ते समर्थन को ठोस वोट प्रतिशत में बदलने की है। करीब 2.5 लाख मतदाताओं वाली इस सीट पर 2021 में लगभग 77 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो इसे राजनीतिक रूप से अत्यंत सक्रिय क्षेत्र बनाता है। शहरी और अर्ध-शहरी चरित्र, मध्यम वर्ग की निर्णायक भूमिका और युवाओं की बढ़ती भागीदारी यहां के चुनावी समीकरण को और जटिल बनाती है।

न्यूज IN ब्रीफ

28वीं सब जूनियर नेशनल सेपक टकरा प्रतियोगिता रेगु वर्ग के पदक विजेता खिलाड़ी सम्मानित

रांची : आज आयोजित 28वीं सब जूनियर नेशनल सेपक टकरा प्रतियोगिता में रेगु वर्ग के पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने वर्ग में पदक हासिल किए। आयोजन के दौरान उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा खेल के विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री अभय कुमार सिंह (प्रिंसिपल, आर्मी पब्लिक स्कूल), श्री दुधेश्वर महतो (प्रिंसिपल, मनरखन बी.एड. कॉलेज), श्री कृष्णा शुक्ला प्रिंसिपल योगदा सत्संग विद्यालय,राजेश पिल्लई प्रिंसिपल केरली पब्लिक स्कूल,श्री बी डी प्रसाद (समाज सेवी)श्री नरेश कुमार, सेक्रेटरी सेपक टकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया, सुनील सूर्यांत - चेयरमैन सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखंड , श्री उदय साहू- प्रेसिडेंट सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखंड, श्री मनोज महतो, श्री राजकुमार जैन, श्री राजीव रंजन, श्री संजय साहू, खेल विभाग के श्री मणिकांत कुमार एवं श्री दीपक तिर्की सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कल इस प्रतियोगिता का चौथा दिन होगा, जिसमें डबल इवेंट की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन की महत्वपूर्ण बैठक 29 मार्च को

चक्रधरपुर (पश्चिम सिंहभूम): साहित्य और संस्कृति के संवर्धन के लिए समर्पित प्रतिष्ठित संस्था निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन, चक्रधरपुर की ओर से आगामी 29 मार्च 2026 (रविवार) को एक विशाल बैठक का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम नगर के माँ अमिया देवी मेमोरियल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में संपन्न होगा। इस विशेष बैठक में झारखंड के अलावा पड़ोसी राज्य बिहार और ओड़िशा से भी साहित्य प्रेमी, विद्वान और प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होकर अपराह्न 3:00 बजे तक चलेगा। आयोजकों के अनुसार, इस समागम में लगभग 60 आगंतुक प्रतिनिधि भाग लेंगे, जो अपने-अपने राज्यों के भाषाई और सांस्कृतिक परिवेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।बैठक के दौरान बांग्ला साहित्य के वर्तमान परिदृश्य, क्षेत्रीय स्तर पर भाषा के प्रचार-प्रसार और आगामी सांगठनिक रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। यह आयोजन चक्रधरपुर में साहित्यिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। माँ अमिया देवी मेमोरियल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर सम्मेलन की स्थानीय इकाई तैयारियों में जुटी है। बाहर से आने वाले अतिथियों के स्वागत और बैठक के सुचारू संचालन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

हैदरनगर के चौकड़ी मोड़ पर दर्दनाक सड़क हादसा, युवक की मौत

हुसैनाबाद : हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत जपलाझहैदरनगर मुख्य सड़क पर चौकड़ी मोड़ के पास बुधवार को देर शाम हुए सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान गढ़वा जिला के मंझिआंव वार्ड संख्या 4 निवासी सुरेश बिंद के 22 वर्षीय पुत्र सलेश कुमार उर्फ छोटू के रूप में हुई है। बताया जाता है कि युवक हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के घाघरा गांव स्थित अपने मामा के घर आया हुआ था। वह ट्रेन से मामा के घर पहुंचा था और वहां से अपनी बाइक लेकर अपने घर मंझिआंव लौट रहा था। इसी दौरान हैदरनगर के पास जपलाझहैदरनगर मुख्य सड़क स्थित चौकड़ी मोड़ पर किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद युवक सड़क पर घायल अवस्था में पड़ा रहा। सूचना मिलने पर हैदरनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।बुधवार की रात होने के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो सका। बताया गया है कि गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि युवक की शादी मई 2026 में होने वाली थी, लेकिन इस हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

रामनवमी के दिन दोपहर एक बजे से शहर में नहीं आएंगी बसें

धनबाद : रामनवमी के मद्देनजर जिले की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। शहरी क्षेत्रों में 27 मार्च की दोपहर एक बजे से जुलूस की समाप्ति तक बसें और भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। शाम चार बजे के बाद जुलूस वाले क्षेत्रों में ई-रिक्शा, ऑटो और सवारी गाड़ियां भी बंद कर दी जाएंगी। बुधवार को ट्रैफिक विभाग की ओर से रामनवमी के मद्देनजर ट्रैफिक प्लान जारी किया गया। इसके अनुसार शहरी क्षेत्रों में दोपहर एक बजे से जुलूस की समाप्ति तक यात्री बसों के प्रवेश पर पूर्ण पाबंदी होगी। रांची और बोकारो से धनबाद आने वाली और रांची और बोकारो जाने वाली गाड़ियां करकेंद मोड़, राजू यादव स्मारक (लोयाबाद), सिजुआ नया मोड़, पांडेयडीह, तेतुलमारी थाना, शहीद शक्तिनाथ चौक, बिनोद बिहारी चौक, बिरसा मुंडा पार्क, मेमको मोड़ होते हुए बरटांड़ बस स्टैंड जाएंगी। जमशेदपुर और पुरुलिया होकर चलने वाली गाड़ियां नगीना बाजार मोहलबनी सीआईएसएफ चेकपोस्ट, सुदामडीह थाना, जामाडोबा मोड़ पुटकी मोड़, करकेंद मोड़ तक पहुंचेंगी और इसे भी बोकारो-धनबाद वाले प्रस्तावित रूट से चलाया जाएगा। सिंदरी और झरिया होकर धनबाद आने वाली गाड़ियां झरिया इंदिरा चौक, कतरास मोड़, केंदुआ होते हुए करकेंद मोड़ आएंगी और वहां से बोकारो-धनबाद के प्रस्तावित रूट पर ये गाड़ियां भी चलेंगी।---इन जगहों पर दोपहर एक बजे से भारी वाहनों के चलने पर रोकबैकमोड़ थाना क्षेत्र में झरिया और केंदुआडीह आने-जाने वाली गाड़ियां मटकुरिया चेकपोस्ट, नई दिल्ली मोड़ होते हुए जाएंगी। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र में सिंदरी से पुटकी की ओर जाने वाले भारी वाहनों का गोशाला ओपी के पास, बोकारो से धनबाद की ओर आने वाले भारी वाहनों को डिनोबली एफआरआई स्कूल गेट के आगे नहीं आने दिया जाएगा। पुटकी से सिंदरी की ओर जाने वाले भारी वाहनों को आबो देवी पेट्रोल पंप के पास रोका जाएगा। झरिया थाना क्षेत्र में धनसार से कतरास मोड़ तक भारी वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। केंदुआडीह से कतरास मोड़ तक भारी वाहनों का परिचालन बंद रहेगा।---शाम चार बजे से इन रास्तों पर ऑटो व सवारी गाड़ियां नहीं चलेंगी- श्रमिक चौक से गया पुल और बैंकमोड़ की तरफ जाना वर्जित रहेगा।- जेसी मल्लिक, पटेल चौक, पानी टंकी, हटिया मोड़, प्रेम नगर गली, रणधीर वर्मा, एसडीओ ऑफिस, भोला स्वीट्स, रेलवे स्टेशन मजार की ओर से हीरापुर की तरफ जाना प्रतिबंधित रहेगा।

चक्रधरपुर के ग्राम मंडलसाई में 80 लाख की लागत से बनेगा चेक डैम और स्नान घाट

संवाददाता

चक्रधरपुर (पश्चिम सिंहभूम): चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विकास की कड़ियों को जोड़ते हुए कोलचोकड़ा पंचायत के ग्राम मंडलसाई में सिंचाई और जनसुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की सहायता से लघु सिंचाई प्रमंडल, पश्चिम सिंहभूम चाईबासा द्वारा लगभग 80 लाख रुपये की लागत से चेक डैम, गढ़वाल (सुरक्षा दीवार) और स्नान घाट के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम में चक्रधरपुर नगर अध्यक्ष सह झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सन्नी उरांव, विधायक प्रतिनिधि पीरू हेम्ब्रम और मुखिया अरविंद तिग्गा ने संयुक्त रूप से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद रिबन काटकर योजना का शिलान्यास किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल का स्वागत किया।

इस योजना के पूर्ण होने से मंडलसाई और आस-पास के क्षेत्रों में जल संचयन की क्षमता बढ़ेगी, जिससे स्थानीय किसानों को सिंचाई में सुविधा होगी। इसके साथ ही नदी तट पर गढ़वाल और स्नान घाट के निर्माण से ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को दैनिक कार्यों और धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान काफी सुगमता होगी।शिलान्यास के पश्चात नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही प्राथमिकता है और डीएमएफटी फंड का सही उपयोग कर सुदूर क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। विधायक प्रतिनिधि पीरू हेम्ब्रम ने गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कार्यक्रम के दौरान झामुमो कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि और ग्राम मंडलसाई के दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे, जिन्होंने विकास कार्यों के लिए सरकार और स्थानीय विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया।

राजस्व मामलों की समीक्षा बैठक में लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर जोर

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में राजस्व मामलों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने सरकारी भूमि के नामांतरण, जमाबंदी, एफआरए/एनओसी प्रस्ताव, एनजीडीआरएस पोर्टल पर छूटे हुए प्लॉटों की प्रविष्टि, ई-जन समाधान पोर्टल की स्थिति, भूमि सीमांकन (डिमार्केशन), राजस्व संग्रहण, ई-कोर्ट, म्यूटेशन तथा भारतमाला परियोजना के अंतर्गत भू-अर्जन एवं हस्तांतरण सहित अभिलेखागार में रखी पंजी-2 के डिजिटाइजेशन कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की।बैठक के दौरान सीसीएल, एनटीपीसी, रेलवे एवं ऊर्जा संचरण से जुड़े लंबित मामलों पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ इन मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।राजस्व संग्रहण की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को जिले के सभी सरकारी भवनों का प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन पंजी-2 में पंजीकरण कराने को कहा।

एफआरए एवं एनओसी से संबंधित मामलों में प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को समन्वय स्थापित कर लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया। साथ ही जन शिकायत पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निष्पादन पर भी विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ने उच्च न्यायालय से संबंधित मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की चेतावनी देते हुए समय पर काउंटर एफिडेविट दाखिल करने के निर्देश दिए।

ठेका मजदूरों की सुध ले केंद्र सरकार, कराए ऑडिट : चंद्र प्रकाश

संवाददाता

रांची : गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने लोकसभा में अपने संसदीय क्षेत्र सहित देशभर में स्थित केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत लाखों ठेका श्रमिकों की समस्याओं को उठाया। उन्होंने सदन में कहा कि इन ठेका श्रमिकों को कई स्थानों पर केंद्रीय न्यूनतम मजदूरी मिलना तो दूर मिनिमम वेजेस के अनुरूप भी मजदूरी नहीं मिल रही है। यही नहीं कई मामलों में वीडीए,पीएफ,ईएस आई व अन्य वैधानिक सुविधाओं के भुगतान में भी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई है। उन्होंने नियम 377 के तहत सदन में सेल, कोल इंडिया, एनटीपीसी, डीवीसी, भारतीय रेल व अन्य केंद्रीय संस्थानों की चर्चा करते हुए कहा कि यहां कार्यरत ठेका श्रमिकों को केंद्र सरकार द्वारा तय की गयी मजदूरी नहीं मिल रही है। साथ ही वीडीए, पीएफ, ईएसआई व अन्य सुविधाओं के भुगतान में भी अनियमितता की जा रही है। सेल रेफ्रैक्टरी यूनिट (एसआरयू), इफको में कार्यरत ठेका श्रमिकों ने तो बकायदा निर्धारित केंद्रीय न्यूनतम मजदूरी के अनुरूप भुगतान नहीं होने का रोना रो रहे हैं। उन्होंने केंद्र से ठेका मजदूरों की सुध लेने की मांग की है।

सांसद ने कहा कि केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों व रेलवे से श्रम कानूनों के आदर्श अनुपालन की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि सेल, कोल इंडिया, एनटीपीसी, डीवीसी, भारतीय रेल सहित सभी केंद्रीय प्रतिष्ठानों में कार्यरत ठेका श्रमिकों को केंद्रीय न्यूनतम मजदूरी एवं वीडीए का भुगतान सुनिश्चित किया जाए और सभी केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों व रेलवे प्रतिष्ठानों में व्यापक जांच ,ऑडिट करायी जाए। उन्होंने कहा कि इस क्रम में कहीं श्रम कानूनों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित ठेकेदारों व जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई भी की जाए।

डालटनगंज में पारस हॉस्पिटल का इंफॉर्मेशन सेंटर खुला

टेली-कंसल्टेशन सुविधा से मरीज विशेषज्ञ डॉक्टरों से सीधे जुड़ सकेंगे

विधायक आलोक चौरसिया ने सेंटर का किया उद्घाटन

संवाददाता

डालटनगंज : पलामू जिले के मरीजों के लिए पारस एचइसी हॉस्पिटल, रांची ने डालटनगंज में एक नए इंफॉर्मेशन सेंटर का शुभारंभ किया है। जेल हाता चौक, एसबीआई बैंक के पास स्थित इस सेंटर का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इस इंफॉर्मेशन सेंटर की सबसे खास सुविधा टेली-कंसल्टेशन होगी। इसके माध्यम से मरीज अब बिना रांची गए, वीडियो कॉल के जरिए विशेषज्ञ डॉक्टरों से सीधे जुड़ सकेंगे। उच्च गुणवत्ता वाले कैमरा सेटअप के जरिए डॉक्टर और मरीज आमने-सामने बातचीत कर सकेंगे, जिससे सही और त्वरित सलाह मिल सकेगी।

इसके अलावा समय-समय पर पारस रांची के विशेषज्ञ डॉक्टर डालटनगंज आकर फिजिकल ओपीडी भी करेंगे, जिससे मरीजों को घर के पास ही विशेषज्ञ जांच की सुविधा मिलेगी। वहीं, सेंटर के उद्घाटन पर मरीजों के लिए बीपी और शुगर की जांच निशुल्क सुविधा उपलब्ध रहेगी। गंभीर स्थिति वाले मरीजों को रांची ले जाकर उनके उचित इलाज के लिए सेंटर आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग भी प्रदान किया जाएगा। बुधवार को इस सेंटर का उद्घाटन विधायक आलोक चौरसिया ने किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि डालटनगंज में प्रतिष्ठित पारस एचइसी हॉस्पिटल के नये सेंटर का लाभ स्थानीय मरीजों को होगा। मरीजों को अब डॉक्टर से मिलने के लिए रांची जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह सुविधा खासकर उन मरीजों के लिए फायदेमंद होगी जो लंबी दूरी तय करने में असमर्थ हैं या जिन्हें तुरंत विशेषज्ञ राय की जरूरत होती है। इससे मरीजों का समय बचेगा और यात्रा खर्च भी कम होगा। उम्मीद है कि इस सेंटर के शुरू होने से पलामू और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और बेहतर होगी।

पारस एचईसी हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि डालटनगंज में शुरू किया गया यह इंफॉर्मेशन सेंटर क्षेत्र के मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सेंटर में अनुभवी चिकित्सा टीम की निगरानी में मरीजों को गंभीर बीमारियों से जुड़े इलाज, जांच और आगे की प्रक्रिया को लेकर उचित मार्गदर्शन दिया जाएगा। मरीजों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 80 80 80 80 69 जारी किया गया है। इस नंबर पर कॉल कर लोग रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं और परामर्श का समय बुक कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से अब दूर-दराज के मरीज भी बिना रांची आए विशेषज्ञ डॉक्टरों से सीधे जुड़ सकेंगे। टेली-कंसल्टेशन सुविधा से मरीजों को समय पर सही सलाह मिलेगी, जिससे गंभीर बीमारियों के इलाज में देरी नहीं होगी। डॉ. कुमार ने यह भी कहा कि सेंटर का उद्देश्य आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को हर जरूरतमंद तक पहुंचाना है। यह सेंटर न केवल परामर्श देगा, बल्कि मरीजों को सही इलाज, जांच और आगे की प्रक्रिया के लिए मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराएगा। इस अवसर पर सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोसर्जन डॉ अरुण कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

चक्रधरपुर पंडित हाता शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित

चैती दुर्गा पूजा का हुआ भव्य उद्घाटन

संवाददाता

माँ दुर्गा के पंडाल के विधिवत उद्घाटन के पश्चात पूजा समिति के द्वारा लोग सम्मानित भी किए गए। चैती दुर्गा पूजा का भव्य रुप से उद्घाटन के पश्चात माँ दुर्गा की पूजा अर्चना विधिवत संपन्न होने के पश्चात दुर्गा पूजा समिति के द्वारा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया जिसमें जगन्नाथपुर डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर विकास कुमार मिश्रा को भी सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र के साथ साथ सामाजिक कार्यों में सहभागिता निभाने के लिए श्री मिश्रा सम्मानित किए गए। इस अवसर पर मुख्य रूप से जगत माझी, उमा शंकर गिरी, वार्ड पार्षद पूजा गिरी, रिक्की छाबड़ा के अलावे पूजा समिति के पदाधिकारीगण एवं पूजा समिति से जुड़े सदस्यों के अलावे काफी संख्या में भक्तजन और श्रद्धालु उपस्थित थे।

इस्पात एक्सप्रेस की टिकट रद्द करा रहे यात्री

जमशेदपुर : हावड़ा-कांताबाजी इस्पात एक्सप्रेस का परिचालन शुक्रवार को रद्द होने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। गुरुवार सुबह आरक्षण केंद्र खुलने के साथ दर्जनों यात्री टाटानगर स्टेशन पहुंचकर हावड़ा-कांताबाजी इस्पात एक्सप्रेस की विभिन्न श्रेणियों में पूर्व से बुक टिकट रद्द कराने लगे। बताया जाता है कि, हावड़ा से इस्पात एक्सप्रेस को रद्द करने का आदेश बुधवार देरशाम चक्रधरपुर मंडल से जारी हुआ है। इससे खड़गपुर व टाटानगर समेत कोल्हान और ओडिशा के सैकड़ों यात्रियों को दिक्कत होगी।

नीति आयोग के लक्ष्यों को लेकर हुई समीक्षा

जमशेदपुर : धालभूम अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) अर्णव मिश्र ने मंगलवार को समाहरणालय में विभिन्न विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। इसका मुख्य एजेंडा नीति आयोग द्वारा निर्धारित विकास मानकों (केपीआई) की प्रगति की समीक्षा करना था। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित स्वास्थ्य, कृषि और समाज कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। एसडीओ ने ह्यआकांक्षी जिला कार्यक्रमह्ल के तहत शिक्षा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और छात्र-छात्राओं के ड्रॉपआउट रेट को कम करने के लिए कड़े निर्देश दिए। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी से स्कूलों में पेयजल, शौचालय और डिजिटल साक्षरता की वर्तमान स्थिति पर रिपोर्ट मांगी। स्वास्थ्य विभाग को एनीमिया उन्मूलन और संस्थागत प्रसव के आंकड़ों में सुधार लाने के निर्देश दिए गए, ताकि जिले की राष्ट्रीय रैंकिंग बेहतर हो सके।समीक्षा के दौरान एसडीओ ने स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को पोर्टल पर सटीक डाटा अपलोड करने और अंतर-विभागीय समन्वय बनाकर काम करने की हिदायत दी।

मनरेगा लोकपालों की मांगों पर केंद्र से हस्तक्षेप की अपील

संवाददाता

नई दिल्ली : अखिल भारतीय लोकपाल (मनरेगा) फाउंडेशन ने ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार से मनरेगा लोकपालों से संबंधित विभिन्न लंबित मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए आवश्यक प्रावधान करने की अपील की है।

इस संबंध में देशभर के लोकपालों का एक प्रतिनिधिमंडल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मिला। प्रतिनिधिमंडल में झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड और तेलंगाना राज्यों के लोकपाल शामिल थे।

फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास वाधेय एवं राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. भूपेन्द्र कुमार गंगवार द्वारा संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय को भेजे गए पत्र में बताया गया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 के तहत नियुक्त लोकपाल वर्तमान में कई व्यावहारिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

कार्यकाल से जुड़ी समस्या

पत्र में उल्लेख किया गया है कि लोकपालों का कार्यकाल बार-बार अल्प अवधि के लिए बढ़ाया जा रहा है, जिससे कार्य में अस्थिरता बनी रहती है। फाउंडेशन ने कार्यकाल को स्थायी रूप से 5+5 वर्षों के लिए निर्धारित करने तथा कार्यकाल समाप्त होने के बाद नई नियुक्ति या विस्तार तक निरंतर कार्य करने की अनुमति देने की मांग की है।

सीटिंग फीस और सुविधाएं

वर्तमान ₹2250 प्रति बैठक की फीस को अपर्याप्त बताते हुए इसे बढ़ाकर ₹5000 प्रति बैठक करने

की मांग की गई है। साथ ही लोकपालों को राज्य के क्लास-1 अधिकारियों के समान टीए/डीए एवं अन्य सुविधाएं देने की अपील की गई है।

संसाधनों की कमी

पत्र में यह भी कहा गया है कि कई जिलों में लोकपालों को कार्यालय, स्टाफ, वाहन जैसे आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जिससे कार्य निष्पादन प्रभावित हो रहा है। फाउंडेशन ने लोकपाल कार्यालयों के लिए स्वतंत्र बजट एवं संसाधनों की व्यवस्था की मांग की है।

स्वायत्त संस्था बनाने की मांग

लोकपाल व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसे स्वायत्त निकाय का दर्जा देने की सिफारिश की गई है, ताकि लोकपाल स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें।

अन्य मांगें

इसके अतिरिक्त, लोकपालों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सहित अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं के निरीक्षण एवं शिकायत निवारण का अधिकार देने की मांग भी की गई है।

फाउंडेशन ने उम्मीद जताई है कि केंद्र सरकार इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर लोकपाल प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाएगी।सूत्रों के अनुसार, यह भी चर्चा हुई है कि नई नियुक्ति होने तक वर्तमान लोकपालों से ही कार्य लिया जाए। इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जल्द ही राज्य सरकारों को दिशा-निर्देश जारी किए जाने की संभावना है।